नेपाल बाढ़ : भारत का हर संभव.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म के.. 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 145 | गाजियाबाद / शुक्रवार 28 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

देश के कई हिस्सों में हो रही झमाझम बारिश

- काशी में भारी बारिश के चलते गलियों में जल रहीं चिताएं

वाराणसी/नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के हिस्सों में झमाझम बारिश हो रही है। वहीं नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के बाद यूपी में अलर्ट जारी है। वाराणसी में भारी बारिश के बाद गंगा और प्रयागराज में यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। काशी में मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल पानी में डूब गए हैं। ऐसे में गलियों और छतों पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में देर रात से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। चमोली में लैंडस्लाइड के चलते निजमुला मार्ग बंद है। वहीं, बद्रीनाथ हाईवे पर जोशीमठ-मरवाड़ी पुल से आगे हाथीपहाड़ के पास करीब 30 मीटर सड़क बह गई। हाईवे बंद होने से बद्रीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा प्रभावित हुई है।

मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। आज पूर्वी और उत्तरी हिस्से के 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड समेत 5 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

बिहार में खुलेगा महिला विश्वविद्यालयः सम्राट चौधरी

- 'स्टूडेंट्स, कर्मचारी से लेकर वीसी तक महिलाएँ होंगी'

पटना (एजेंसी)। बिहार की छात्राओं को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान किया है। गुरुवार को पटना के बापू सभागार में 'समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान छात्राओं को लेकर सम्राट चौधरी ने महत्वपूर्ण घोषणा की।

हम लोगों ने तय किया है कि बॉटम से टॉप (नीचे से ऊपर) तक स्टूडेंट्स से लेकर प्रोफेसर, कर्मचारी वाइस चांसलर तक एक नया विश्वविद्यालय बनाएंगे, जिसे सिर्फ और सिर्फ महिलाएं संचालित करेंगी। सिर्फ महिलाएं ही पदाधिकारी होंगी। पढ़ने वाले से लेकर वीसी तक महिलाएं होंगी. जिससे बिहार की समृद्धि का रास्ता खुल सके। '21 सालों से हो रहा विकास का काम' - सम्राट चौधरी ने कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2005 के बाद से जो सिलसिला शुरू हुआ वह लगातार चल रहा है। 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तत्कालीन वित्त मंत्री सुशील मोदी और कई वरिष्ठ साथियों ने बिहार बदलने की पूरी कल्पना की।

रक्षाबंधन के पावन पर्व के आगमन से ठीक पहले बाज़ार में अपनी पसंदीदा राखी की खरीदारी करती बहनें

आज भाईयों के कलाईयों पर बंधेगा बहनों का रक्षासूत्र

नईदिल्ली (एजेंसी)। रक्षा बंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम और रिश्ते को समर्पित प्रमुख त्योहार है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उसके सुख, स्वास्थ्य व लंबी आयु की कामना करती है। भाई भी बहन की रक्षा का वचन देता है और साथ ही उसे उपहार देता है। 'रक्षाबंधन' का अर्थ है- रक्षा। रक्षा बंधन शुक्रवार, आज 28 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षा बंधन, भाई और बहन के बीच शाश्वत प्रेम को दर्शाता है। इस अवसर पर आज भाईयों की कलाईयों पर बहनों का रक्षासूत्र बांधा जाएगा।

रक्षा बंधन 2026 के अन्य शुभ मुहूर्त

शुभ मुहूर्त	समय
अभिजित मुहूर्त	दोपहर 11.56 बजे दोपहर 12.48 बजे
विजय मुहूर्त	दोपहर 2.31 बजे - शाम 3.22 बजे
गोधूलि मुहूर्त	शाम 6.47 बजे - शाम 7.10 बजे
अमृत काल	शाम 7.44 बजे रात 9.23 बजे

बीजिंग गेम्स में चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट ने 100-मीटर स्प्रिंट का बनाया नया रिकॉर्ड

बीजिंग(एजेंसी)। बीजिंग में एक चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट ने 100 मीटर की दौड़ 8.86 सेकंड में पूरी करके नया रिकॉर्ड बनाया। इसने अपने रोबोट कॉम्पिटिटर्स और सबसे तेज़ इंसान के रिकॉर्ड, दोनों को पीछे छोड़ दिया।

यह दौड़ चीन के 'वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स' का हिस्सा थी। यह ओलंपिक की तरह का एक कॉम्पिटिशन है, जो बीजिंग में दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है। यह इवेंट अमेरिका के साथ बढ़ती टेक्नोलॉजी की होड़ के बीच रोबोटिक्स के क्षेत्र में चीन की तेज़ी से हो रही तरक्की को भी दिखाता है।

इससे पहले रोबोट का रिकॉर्ड 9.39 सेकंड का था, जो सिर्फ़ तीन दिन पहले शनिवार को बना था। तुलना के लिए, पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड 9.58 सेकंड का है, जिसे 2009 में जमैका के धावक उसेन बोल्ट ने बनाया था। ह्यूमैनॉइड रोबोट इंडस्ट्री में इतनी तरक्की देखकर एक्सपर्ट्स हैरान हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया, लॉस एंजिल्स में मैकेनिकल और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफ़ेसर डेनिस होंग ने कहा कि, 'यह एक अहम पड़ाव है – सिर्फ़ इसलिए नहीं कि रोबोट इंसान से तेज़ दौड़ा, बल्कि इसलिए कि दो पैरों वाले रोबोट को इतनी तेज़ी से दौड़ाने के लिए किन चीज़ों की ज़रूरत होती है। होंग ने कहा कि, 'जैसे-जैसे रफ़्तार बढ़ती है, बैलेंस, कंट्रोल, झटके, एक्चुएटर की परफ़ॉर्मेंस और मैकेनिकल मज़बूती – ये सभी चीज़ें बहुत ज़्यादा मुश्किल हो जाती हैं।' रिकॉर्ड बनाने वाला रोबोट फ़िनिश लाइन (जो गद्देदार बैरियर थी) से टकराने के बाद गिर गया, उसकी कमर से चिंगारियां निकल रही थीं। होंग ने बताया कि इस गिरने से ज़्यादा ज़रूरी और मुश्किल सवाल सामने आते हैं। क्या रोबोट सुरक्षित रूप से चल और रुक सकते हैं, अचानक सामने आने वाली रुकावटों को पहचान सकते हैं, गलतियों से उबरकर काम जारी रख सकते हैं? ये ऐसी क्षमताएं हैं, जो उन्हें असल में ज़्यादा उपयोगी बनाती हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पत्रादेवी में हुतात्मा स्मृति स्मारक का उद्घाटन किया

गोवा मुक्ति सत्याग्रहियों को श्रद्धांजलि दी

पणजी (एजेंसी)। गोवा मुक्ति आंदोलन में अपनी जान कुर्बान करने वाले हर जाने-अनजाने योद्धा को इतिहास में पूरा सम्मान मिलना चाहिए। गोवा की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले एक भी शहीद का नाम इतिहास से छूट न जाए, इसके लिए सरकार को पूरी रिसर्च करनी चाहिए और सभी शहीदों के नाम पता करके उन्हें पत्थरों पर उकेरना चाहिए ताकि उनकी याद हमेशा बनी रहे। यह अपील रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की।

उन्होंने गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को भी साफ निर्देश दिए और उम्मीद जताई कि वह खुद इसका ध्यान रखें और किसी की कुर्बानी बेकार न जाए।

नेपाल बाढ़ में मरने वालों का आंकड़ा 273 पहुंचा

1500 की तलाश, 288 भारतीय लापता

काठमांडू / नईदिल्ली (एजेंसी)। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह आई अचानक बाढ़ में मरने वालों का आंकड़ा 273 पहुंच गया है। इनमें नेपाल में 270 और तिब्बत में 3 लोगों की जान गई है। वहीं, करीब 1,500 लोग अब भी लापता हैं।

सिर्फ नेपाल में 900 से ज्यादा लोगों के लापता होने की जानकारी है। इनमें 32 देशों के करीब 525 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। चीन की सरकारी वेबसाइट सीसीटीवी के मुताबिक, तिब्बत में 550 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, नेपाल में 288 भारतीयों से संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें 73 लोग त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट में काम करते हैं। अब तक 21 भारतीयों को सुरक्षित बचाया गया है। वहीं, तिब्बत में फंसे करीब 200 भारतीयों से भी लगातार संपर्क किया जा रहा है।

हर सेकेंड 79.3 लाख लीटर पानी निकल रहा, सीएम सम्राट बोले- खतरा अभी टला नहीं

नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार को आई बाढ़ के बाद बिहार के गंडक बैराज से सुबह से 4 बार पानी छोड़ा जा चुका है। रात 12 बजे तक नेपाल की ओर से करीब डेढ़

लाख क्यूसेक, यानी क्यूबिक फीट प्रति सेकेंड पानी छोड़ा गया। बगहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। रात 12 बजे बैराज से 1 लाख 52 हजार क्यूसेक, सुबह 6 बजे 88 हजार, 7 बजे 92,900 हजार, 10 बजे 104,400, 12 बजे 106,600 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

खेलो इंडिया डायलॉग में पीएम मोदी बोले

ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ानी होगी, अभी से खिलाड़ी तैयारी करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें।

मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है।

पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए।

नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर- 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है।

ओलंपिक में नए खेलों पर– देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है।

खेलो इंडिया संवाद पर– सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे।

न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का कार्यक्रम रद्द करने की कोशिश

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है।

एचएएफ ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी तरह के टकराव से बचने की अपील की है। दरअसल, भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी समेत कुछ संगठनों ने विरोध किया है। एचएफए ने कहा, कुछ लोग कार्यक्रम को रद्द कराना चाहते हैं। इसके बाद एचएफए ने मेयर ममदानी से कार्यक्रम की सुरक्षा और नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

प्रेमी और पत्नी को कमरे में पति ने न्यूड पकड़ा

- झांसी में बॉयफ्रेंड से भरवाई मांग-वरमाला पहनवाई, कपड़े पहनने का मौका भी नहीं दिया

झांसी (एजेंसी)। झांसी में पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ने के बाद पति ने दोनों की शादी करा दी। पति ने दोनों को कपड़े पहनने का मौका भी नहीं दिया और उसी हालत में प्रेमी से पत्नी की मांग में सिंदूर भरवाया। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और विवाहिता ने प्रेमी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

मामला जिला मुख्यालय से करीब 28 किलोमीटर दूर चिरगांव थाना क्षेत्र का है। 23 अगस्त को पति ने पत्नी और उसके प्रेमी को कमरे में आपत्तिजनक हालत में पकड़ा था। दोनों की शादी का वीडियो गुरुवार को सामने आया।

पति के मुताबिक, दोनों की शादी जून 2026 में हुई थी। आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही पत्नी उसे नींद की गोलियां देती थी। उसके सोने के बाद वह प्रेमी से मोबाइल पर बात करती थी। तालाबपुरा मोहल्ला में रहने वाले राजेश प्रजापति ने बताया- मेरी शादी 24 जून को दतिया के भांडेर क्षेत्र की अभिलाषा से हुई थी। शादी के करीब एक महीने बाद उसे पत्नी के व्यवहार पर शक होने लगा। उसका आरोप है कि पत्नी उसे नींद की गोलियां देती थी। उसके सोने के बाद प्रेमी से मोबाइल पर बात करती थी। राजेश का आरोप है कि 19 अगस्त को घर के जेवर भी गायब हो गए। उसने पत्नी से पूछताछ की, लेकिन वह कोई जवाब नहीं दे सकी। बाद में उसे पता चला कि पत्नी ने कुछ जेवर अपने प्रेमी को दे दिए थे।23 अगस्त को पति ने अपने ही घर में पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया था।

मामा का एक्सीडेंट हुआ, घर पहुंचा तो खुला राज

राजेश ने बताया कि 23 अगस्त को उसके मामा का एक्सीडेंट हो गया था। वह पत्नी को घर पर छोड़कर झांसी मेडिकल कॉलेज गया था। दोपहर करीब 2 बजे लौटने पर घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। शक होने पर वह छत के रास्ते घर में दाखिल हुआ। पति के मुताबिक, कमरे में पत्नी और एक युवक बेड पर मिले। उसने दोनों के फोटो-वीडियो बना लिए। इसी दौरान दोनों ने उसे देख लिया और पकड़कर धक्का दे दिया। वह किसी तरह खुद को छुड़ाकर बाहर आया और शोर मचाया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद उसने 112 पर पुलिस को सूचना दी। राजेश के मुताबिक, मौके पर पहुंचे लोगों ने फूल और सिंदूर मंगवाकर दोनों की शादी करा दी। इसके बाद पुलिस दोनों को थाने ले गई। उसका आरोप है कि प्रेमी के खिलाफ सिर्फ शांतिभंग की कार्रवाई की गई।

कानपुर में ट्रेनिंग विमान क्रैश पायलट और ट्रेनी की मौत

प्लेन में अचानक धमाका हुआ, फिर नीचे गिरा; दोनों बाहर नहीं निकल पाए

कानपुर (एजेंसी)। यूपी के कानपुर में ट्रेनिंग विमान क्रैश हो गया। हादसे में पायलट और ट्रेनी की मौत हो गई। विमान ने गुरुवार सुबह 11.30 बजे उड़ान भरी थी। 11.50 बजे यानी उड़ान के महज 20 मिनट बाद गंगा बैराज के पास 5 फीट ऊंची बाउंड्री वॉल से टकराकर खेत में जा गिरा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान करीब 200-250 फीट ऊपर था। तभी अचानक हवा में डगमगाया और क्षतिग्रस्त हो गया। नीचे गिरते ही पूरा विमान टूटकर बिखर गया। पुर्जे दूर तक बिखर गए। हालांकि, विमान में आग नहीं लगी। हादसे से जुड़े वीडियो सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि जमीन में गिरने के बाद विमान मलबे में तब्दील हो गया। एक पायलट कॉकपिट के पास फंसा था। दूसरा गंभीर हालत में विमान से थोड़ी दूर खून से लथपथ पड़ा था। विमान की एक सीट भी टूटकर बाहर आ गई। करीब 12:15 बजे पुलिस-प्रशासन की टीम पहुंची।

खून से लथपथ पायलट सचिन भाटिया (गुजरात) और ट्रेनी अभिषेक पुजारी (कर्नाटक) को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों पायलट की मौत ऊंचाई से गिरने की वजह से हुई।

दिल्ली दंगे : उमर खालिद-शरजील मास्टरमाइंड, पुलिस का हाईकोर्ट में जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को मास्टरमाइंड बताया है। पुलिस ने अदालत में अपना जवाब दाखिल कर इन दोनों की जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध किया। पिछली सुनवाई में, 31 जुलाई को, दिल्ली हाईकोर्ट ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस से जवाब दाखिल करने को कहा था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने बताया कि इमाम और खालिद ही दिल्ली दंगों के मुख्य योजनाकार थे। पुलिस का दावा है कि उनके पास दोनों आरोपियों के खिलाफ दंगों की योजना बनाने, लोगों को संगठित करने और हिंसा में रणनीतिक भूमिका निभाने से जुड़े अहम सबूत हैं। पुलिस ने तर्क दिया कि उनकी नई जमानत याचिकाएं अपने आप में गैरकानूनी और अदालत को गुमराह करने वाली हैं। पुलिस ने अदालत को बताया कि जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने मामले में कुछ सह-आरोपियों को जमानत दे दी थी, लेकिन खालिद और इमाम को यह कहकर जमानत देने से इंकार किया था कि दिल्ली दंगों में उनकी भूमिका अलग थी। उस समय, सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि इस केस में यूएपीए की धारा 43डी(5) लागू होती है, जिसमें जमानत के लिए सख्त शर्तें होती हैं।

मणिपुर के कांगपोकपी में फिर भड़की हिंसा, चार लोगों की मौत

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गुरुवार सुबह एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। इम्फाल-तामेंगलॉन्ग रोड के पास स्थित नागा गांवों में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने अचानक गोलीबारी कर दी। इस अंधाधुंध फायरिंग में चार आम नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के बाद एक ग्रामीण के लापता होने की भी सूचना है। जानकारी के मुताबिक, वारदात सुबह करीब 8:30 बजे मकुई आशांग और थानम्बा नागा गांवों के बीच हुई। यह इलाका आईटी रोड के किनारे बसे नागा गांवों के लिए आवाजाही का प्रमुख मार्ग माना जाता है। गोलीबारी के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया और दोनों तरफ से रुक-रुककर भारी फायरिंग होने की खबर सामने आई। मृतकों की पहचान टैडसोंगबाउ रिंगकांगमाई, मरियाकडीबाउ विजुनमाई, जापौ एमके और अनिल विजुनमाई के रूप में हुई है। टैडसोंगबाउ रिंगकांगमाई राइट पाथ स्कूल (टी खुलेन) के संस्थापक और प्रधानाचार्य थे। मरियाकडीबाउ विजुनमाई और अनिल विजुनमाई मकुई यूथ क्लब के कार्यकारी सदस्य थे, जबकि जापौ एमके थोंगलांग अकुत्पा के छात्र नेता थे। हमले में गैकामंग रिंगकांगमाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं, चावांगकिनिंग विलेज अथॉरिटी के अध्यक्ष विसोबाउ चारेनामाई के घटना के बाद से लापता होने की जानकारी मिली है। उनकी तलाश में सुरक्षा बलों ने आसपास के जंगलों और इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को मौके पर तैनात किया गया। घायल व्यक्ति को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है।

नेपाल में फंसे लोगों की जानकारी लेने सरकार ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार ने नेपाल के रसुवा जिले में आई भीषण बाढ़ के मद्देनजर नेपाल की यात्रा कर रहे राज्य के लोगों की जानकारी और सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि नेपाल की यात्रा पर गए राजस्थान के किसी भी निवासी के संबंध में जानकारी या सहायता के लिए परिजन राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के टोल-फ्री नंबर 1070 और 112 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा 0141-2851960, 0141-2385776, 0141-2385777, 0141-2227296, 0141-2927392 और 0141-2227603 पर भी संपर्क किया जा सकता है। विभाग ने कहा है कि संबंधित जानकारी आईपी नंबर 28888 या ई-मेल के माध्यम से भी साझा की जा सकती है।

महुआ मोइत्रा के समर्थन में और विपक्षी सांसद, स्पीकर से जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के समर्थन में दो और विपक्षी सांसद सामने आए हैं। कांग्रेस के के. सुरेश और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर मोइत्रा के साथ बंगाल में 14 अगस्त को देर रात सर्किट हाउस खाली करने के लिए कथित तौर पर कहने की घटना की जांच विशेषाधिकार समिति से करने की मांग की है। इसके पहले समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (उबाठा) के अरविंद सावंत और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के के. राधाकृष्णन भी लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर मामले की जांच और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुके हैं। टीएमसी सांसद मोइत्रा ने नादिया के जिलाधिकारी और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ स्वयं भी विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है।

राजस्थान हाईकोर्ट में जजों का विवाद: जज संजीव ने हाईकोर्ट सीजेआई को दिया नोटिस

-सूर्यकांत ने कहा- इस मसले को केवल स्थापित संस्थागत तंत्र के जरिए ही निपटाया जाए

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। जस्टिस शर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संदीप मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत को चिट्ठी लिखी है। इसमें जस्टिस संजीव प्रकाश पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद सीजेआई सूर्यकांत ने कहा है कि इस मसले को केवल स्थापित संस्थागत तंत्र के जरिए ही निपटाया जाना चाहिए।

जस्टिस मेहता ने सीजेआई को लिखे तीन अलग-अलग पत्रों में जस्टिस संजीव प्रकाश के अधीन गंभीर प्रशासनिक अनियमितताएं होने और चुनिंदा मामलों को सूचीबद्ध किए जाने का आरोप लगाया है। देश की सर्वोच्च अदालतों के जजों के बीच इस विवाद ने एक पुराने मामले का याद ताजा कर दी है। उस विवाद में एक जज की गिरफ्तारी तक की नौबत आ गई थी। मामला 2016 का है। साल 2016 में न्यायपालिका के इतिहास में एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के बीच अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक मामला मद्रास हाईकोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस सीएस कर्णन से जुड़ा था। उन्होंने तत्कालीन सीजेआई टीएस ठाकुर की ओर से अपने तबादले की सिफारिश को ही रोकने का आदेश जारी कर दिया था। दरअसल, जस्टिस कर्णन का तबादला मद्रास हाईकोर्ट से कलकत्ता हाईकोर्ट करने की सिफारिश की गई थी। 12 फरवरी 2016 को उन्हें इस संबंध में प्रस्ताव मिला, लेकिन जस्टिस कर्णन इससे सहमत नहीं थे। उन्होंने 15 फरवरी को एक आदेश जारी किया था इसमें उन्होंने सीजेआई की ओर से उनके तबादले की सिफारिश पर ही रोक लगा दी।

यह मामला इसलिए असाधारण था क्योंकि एक हाईकोर्ट के मौजूदा जज ने देश के प्रधान न्यायाधीश के प्रशासनिक फैसले पर ही सवाल खड़ा कर दिया था। इतना ही नहीं, उन्होंने सीजेआई से इस तबादले की वजह बताने को कहा और इसके लिए लिखित जवाब मांगा था। जस्टिस कर्णन ने अपने आदेश में तत्कालीन सीजेआई से कहा कि उनके अधिकार क्षेत्र में दखल न दिया जाए। उन्होंने 1993 के उस ऐतिहासिक फैसले का भी हवाला दिया, जिसमें जजों के तबादले को जनहित और न्याय प्रशासन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जोड़ा गया था।

जस्टिस कर्णन और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव अगले साल और बढ़ गया। 2017 में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई जेएस खेहर और दूसरे जजों के खिलाफ भी आदेश जारी किए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सात जजों को पांच साल की सश्रम कैद की सजा सुनाने तक का आदेश दे दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया। उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू हुई। मई 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए छह महीने की जेल की सजा सुनाई। यह भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में बेहद असाधारण फैसला था। जस्टिस कर्णन उस समय पद पर रहते हुए जेल की सजा पाने वाले पहले हाईकोर्ट जज बने। गिरफ्तारी से पहले ही उनका कार्यकाल खत्म हो गया था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया और उन्होंने करीब छह महीने जेल में बिताए।

नेपाल बाढ़ : भारत का हरसंभव सहयोग, 130 से अधिक भारतीयों से संपर्क टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में अचानक आई भीषण बाढ़ से व्यापक तबाही मची है, इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं और कई लापता हैं। इस संकट की घड़ी में भारत सरकार ने राहत एवं बचाव अभियान तेज किया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने पुष्टि की है कि नेपाल में

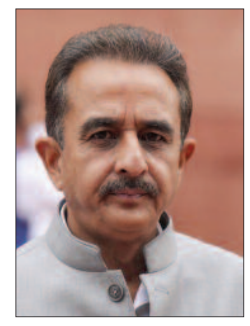

करीब 130-132 भारतीय नागरिक लापता हैं, जिससे संपर्क टूट गया है। उन्होंने बताया कि भारत की राष्ट्रीय राहत टीमें पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद हैं और खोज एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। विदेश राज्य मंत्री सिंह ने आपदा को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया, जिसमें कई लोगों के हताहत होने की खबरें हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल की संबंधित एजेंसियां मिलकर प्रभावित लोगों का पता लगाने, उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों की जान बचाने में जुटी हैं। भारत नेपाल सरकार के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री तथा सहायता पहुंचाई जा रही है। विदेश राज्य मंत्री सिंह ने जोर दिया कि नेपाल भारत का मित्र राष्ट्र है, और दोनों देशों के बीच गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक तथा भाइयों जैसे संबंध हैं। भारत संकट के हर क्षण में नेपाल के साथ खड़ा रहा है और भविष्य में भी हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराता रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य लापता लोगों का पता लगाना, प्रभावितों को सुरक्षित निकालना और जीवन बचाना है, जिसके लिए दोनों देशों की टीमें अथक प्रयास कर रही हैं।

नन्ही छात्राओं ने बांधा रक्षासूत्र, एसएसपी नवनीत सिंह ने दिया रक्षा का वचन

हरिद्वार (शिखर समाचार)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर देवभूमि इंटरनेशनल स्कूल की छात्राएं अपनी शिक्षिकाओं के साथ एसएसपी कैंप कार्यालय पहुंचीं। छात्राओं ने चंदन का तिलक लगाकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और उनसे रक्षा का वचन लिया। एसएसपी ने भी बच्चियों को स्नेहपूर्वक मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर नवनीत सिंह ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बच्चियों को भविष्य में बेहतर करियर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित रूप से पढ़ाई करने तथा अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप क्षेत्र चुनने के लिए प्रेरित किया। एसएसपी ने छात्राओं को सोशल मीडिया के नियंत्रित और सावधानीपूर्वक इस्तेमाल की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में सामाजिक माध्यम उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराने का माध्यम हैं, लेकिन इनके अत्यधिक इस्तेमाल से पढ़ाई और व्यक्तिगत विकास प्रभावित हो सकता है। उन्होंने बच्चियों को सोशल मीडिया की आभासी दुनिया के बजाय शिक्षा, कौशल विकास और अपने लक्ष्य पर अधिक ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान वातावरण आत्मीय रहा। छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया और पुलिस की ओर से समाज की सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों के प्रति आभार जताया। इसके बाद ब्रह्मकुमारी संस्था की प्रतिनिधियों ने भी एसएसपी नवनीत सिंह से भेंट की और उनकी कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। एसएसपी ने सभी को पर्व की बधाई देते हुए उनके स्नेह और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

कुंभ मेला 2027 की तैयारियों में तेजी, 15 दिसंबर तक निर्माण कार्य पूरे करने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। अगले वर्ष हरिद्वार में होने वाले कुंभ मेला 2027 की तैयारियों को लेकर शासन-प्रशासन ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सचिव शहरी विकास उत्तराखंड नितेश कुमार झा ने गुरुवार को हरिद्वार पहुंचकर उत्तराखंड निवेश एवं आधारिक संरचना बोर्ड के अंतर्गत उत्तराखंड परियोजना विकास एवं निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीसीआर सभागार में हुई बैठक में हर की पैड़ी पुनर्विकास, रोड़ीबेलवाला क्षेत्र पुनरोद्धार एवं विकास तथा उत्तरी हर की पैड़ी क्षेत्र विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इन परियोजनाओं के तहत घाटों और मार्गों का सुधार, प्रकाश व्यवस्था, सौंदर्यीकरण, सुरक्षा, जनसुविधाओं का विकास, भीड़ प्रबंधन, विक्रय क्षेत्र, जल निकासी एवं सीवरेज व्यवस्था, पार्किंग, आस्था पथ तथा आकस्मिक निकासी मार्ग विकसित किए जा रहे हैं।

सचिव ने घाटों के सुधार, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अन्य सभी आवश्यक कार्य 15 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कुंभ से जुड़ी परियोजनाओं में बनने वाले भवनों और अन्य अवसंरचनाओं के बाहरी स्वरूप में हरिद्वार और कुंभ की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान के अनुरूप रंग संयोजन एवं विषयगत एकरूपता सुनिश्चित करने को कहा।

घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उपयुक्त रेलिंग लगाने तथा पहले से लगी रेलिंग की सुरक्षा जांच कराने के निर्देश भी दिए गए। हर की पैड़ी क्षेत्र में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और घाटों के सुधार पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने और प्रत्येक सप्ताह शासन स्तर पर प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

मेलाधिकारी सोनिका ने बताया कि निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है और बड़ी परियोजनाओं के स्थलों पर दिन-रात कार्य कराया जा रहा है। अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने बताया कि कुंभ क्षेत्र को पांच जोन और 32 सेक्टरों में बांटकर व्यवस्थाओं की कार्ययोजना तैयार की गई है।

बैठक के बाद सचिव ने रोड़ीबेलवाला पुनर्विकास, एडमिन रोड तथा शिवमूर्ति चौराहे के सुधार एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची से हटेंगे 419 अपात्र लाभार्थी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत हरिद्वार जिले में पात्रता सूची के पुनरीक्षण का कार्य विकासखंड स्तर पर शुरू कर दिया गया है। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर योजना की सूची में शामिल अपात्र परिवारों को हटाने और पूर्व सर्वेक्षण में छूटे पात्र परिवारों को सूची में शामिल करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य योजना का लाभ वास्तविक पात्र परिवारों तक पहुंचाना है।

प्रशासन के अनुसार 18 अगस्त तक आपत्तियां और शिकायतें दर्ज कराने की निर्धारित अवधि में जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों से कुल 2,282 आपत्तियां प्राप्त हुईं। इनमें से 943 आपत्तियों का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि 1,340 आपत्तियों की जांच अभी जारी है। जांच प्रक्रिया के दौरान अब तक जिले के विभिन्न

विकासखंडों में 419 ऐसे लाभार्थियों को चिन्हित किया गया है, जो योजना के लिए अपात्र पाए गए हैं। इन लाभार्थियों के नाम पात्रता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इसके साथ ही पूर्व सर्वेक्षण में छूटे पात्र परिवारों और किसी कारणवश पात्र होने के बावजूद सूची से बाहर रह गए परिवारों की भी दोबारा जांच की जा रही है। जांच के बाद पात्र पाए जाने वाले परिवारों को अलग से सूचीबद्ध कर योजना का लाभ देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में अपात्र व्यक्ति का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की पात्रता सूची में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवास स्वीकृत होने से पहले यदि कोई लाभार्थी अपात्र पाया जाता है तो उसका नाम सूची से हटा दिया जाएगा। अधिकारियों को आपत्तियों और शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर पात्र एवं अपात्र परिवारों का सही सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मैं ही सबूत हूं, मैं ही गवाह हूं... मैं जांच का सामना करने को तैयार

-तमिलनाडु के वित्त मंत्री की रिश्वत वाली टिप्पणी पर मचा सियासी घमासान

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के वित्त मंत्री एन मैरी विल्सन की हालिया रिश्वत वाली टिप्पणी से राजनीतिक घमासान मच गया है। डीएमके और बीजेपी ने राज्य में टीवीके के नेतृत्व वाली विजय सरकार से मांग की है कि उनके बयान की जांच कराई जाए और जांच पूरी होने तक उन्हें कैबिनेट से हटाया जाए। राज्य विधानसभा में बोलते हुए विल्सन ने दावा किया कि डीएमके सरकार के दौरान उन्हें चेन्नई में अपने संस्थानों से जुड़ी मंजूरी के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को भारी रकम देनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि मैं ही सबूत हूं, मैं ही गवाह हूं... मैं जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जहां राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के जी अरुणराज ने विल्सन का बचाव करते हुए उन्हें व्हिसलब्लोअर बताया। वहीं डीएमके ने विल्सन की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की। पार्टी नेता अंबिल महेश पोय्यामोझी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पोय्यामोझी ने कहा कि विधानसभा में किसी मंत्री का यह कहना कि उन्होंने रिश्वत दी एक गंभीर गलती है। डीएमके नेता ने कहा कि चूंकि वे रिश्वत देने की घटना के प्रत्यक्ष गवाह होने का दावा करते हैं, इसलिए मैं डीवीएसी से अनुरोध करता हूं कि वे तुरंत उनकी जांच करें।

विल्सन ने पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यामोझी को भी चुनौती दी कि वे इस मामले की जांच की मांग करें। टी नगर में ग्लोबल नाम की जगह पर कथित तौर पर किए गए भुगतान का ज़िक्र किया, विल्सन ने कहा कि वह यह बताने के लिए तैयार हैं कि उनसे कितनी रकम का भुगतान करवाया गया था। उन्होंने सदन में कहा कि मैं बता सकता हूं कि अल्पसंख्यक संस्थानों के लिए आपको कितनी रकम मिली थी।

क्या बीजेपी के संगठनात्मक बदलाव के बाद अब कैबिनेट में भी होगा फेरबदल?

-अभी काउंसिल में पीएम मोदी समेत 69 सदस्य, 12 पद अभी भी खाली

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी का संगठनात्मक बदलाव अब पूरा हो गया है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने 65 सदस्यों वाली नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ ही, राजनीतिक ध्यान अब मोदी सरकार पर केंद्रित हो गया है कि क्या पार्टी के संगठनात्मक बदलाव के बाद अब कैबिनेट में भी कोई बड़ा फेरबदल होगा। अभी काउंसिल में पीएम समेत 69 सदस्य हैं। संविधान के तहत सदस्यों की संख्या 81 हो सकती है यानी 12 पद अभी भी खाली हैं।

सूत्रों के मुताबिक इन बदलावों पर 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे पहले होने वाले कुछ विधानसभा चुनावों का असर दिखेगा। हालांकि, सिर्फ राजनीतिक वजहें ही अहम नहीं होंगी, क्योंकि लीडरशिप उन मंत्रियों का बोझ भी कम करना चाह सकती है जिनके पास कई विभाग हैं। बीजेपी अब कई अहम विधानसभा चुनावों और उनके बाद 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। नई टीम में कई नए चेहरे शामिल किए गए हैं, जो युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने और चुनावों पर ज़्यादा ध्यान देने का संकेत है। अब सरकार में भी ऐसे ही बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

हाल ही में तीन बदलाव हुए हैं। पेपर लीक को लेकर युवाओं के विरोध के बीच धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री का पद छोड़ दिया। अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्यसभा का कार्यकाल खत्म होने पर इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पार्टी में नई भूमिका निभाने वाले नेताओं की बारी आ सकती है। इनमें वे राज्यमंत्री शामिल हैं जिन्हें संगठन में काम सौंपा गया है। हाल ही में हर्ष मल्होत्रा और पंकज चौधरी को दिल्ली और उत्तर प्रदेश में पार्टी की राज्य इकाई का प्रमुख बनाया गया है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि संभावित फेरबदल में चुनावी जरूरतों, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, उम्र, कामकाज और बीजेपी के एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत को ध्यान में रखे जाने की उम्मीद है। बीजेपी की नई टीम में सबसे अहम नामों में से एक पीयूष गोयल हैं, जिन्हें पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। गोयल अभी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं, इसलिए बीजेपी के एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत के हिसाब से उनकी नई संगठनात्मक जिम्मेदारी काफी अहम है। गोयल अकेले ऐसे बड़े राजनीतिक चेहरे नहीं हैं जिन्हें नई भूमिका दी गई है। बीजेपी की सबसे जानी-मानी राष्ट्रीय नेताओं में से एक और पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी की भी पार्टी संगठन में वापसी हुई है। बीजेपी की

राष्ट्रीय चुनाव प्रचार मशीनरी के साथ उनके लंबे जुड़ाव और पार्टी में उनके कद को देखते हुए, उनका शामिल होना राजनीतिक रूप से काफी अहम है। बीजेपी ने इस अटकलबाज़ी पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पार्टी आम तौर पर एक व्यक्ति-एक भूमिका के नियम का पालन करती है, जिन नेताओं के नाम मंत्री बनने की अटकलों में थे, उन्हें इसके बजाय संगठन में जिम्मेदारी दी गईं जैसे स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, सतीश पूनिया और तरुण चुघ।

शिकायतकर्ता की समस्या का संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें: जिलाधिकारी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादड़ ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने भूमि पर कब्जे, राजस्व विवाद, अवैध अतिक्रमण, सार्वजनिक सुविधाओं, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति सहित अन्य समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए।

जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी और त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को केवल औपचारिकता के लिए न निपटाया जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध और निष्पक्ष समाधान हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। शिकायत के निस्तारण के बाद संबंधित शिकायतकर्ता से प्रतिक्रिया भी ली जाए, ताकि यह पता चल सके कि उसे वास्तव में राहत मिली है या नहीं।

उन्होंने कहा कि जनसुनवाई प्रशासन और जनता के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनके निस्तारण की नियमित निगरानी करें और जहां आवश्यकता हो, मौके पर जाकर समस्या का सत्यापन भी करें। इससे शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ लोगों का प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत होगा।

जनसुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी भूमि एवं अध्याप्ति अवनीश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शालीमार गार्डन में अवैध निर्माण पर चला प्राधिकरण का बुलडोजर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देश पर गुरुवार को प्रवर्तन जोन-8 की टीम ने शालीमार गार्डन मेन स्थित भूखंड संख्या ए-126 पर बिना स्वीकृत मानचित्र के किए जा रहे निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की संबंधित धाराओं के तहत की गई।

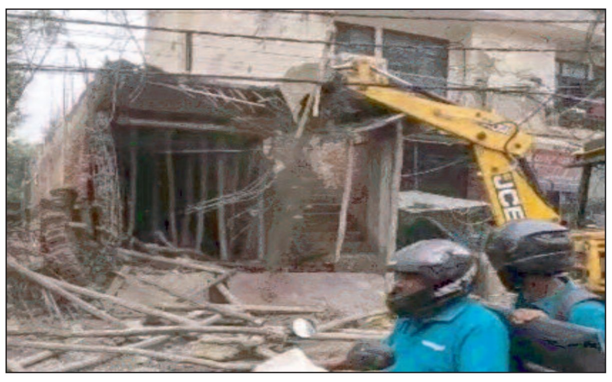

प्रवर्तन जोन-8 के प्रभारी के नेतृत्व में प्राधिकरण का प्रवर्तन दस्ता मौके पर पहुंचा और अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान निर्माणकर्ता की ओर से विरोध किया गया। स्थिति को देखते हुए प्राधिकरण पुलिस बल ने मौके पर व्यवस्था संभाली और विरोध कर रहे लोगों को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी गई। प्राधिकरण की टीम ने निमार्णाधीन हिस्से को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-8 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा। प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृत मानचित्र के किए जा रहे निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। आगामी माह में भी ऐसे अवैध निमार्णों को चिह्नित कर उनके खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि भवन निर्माण से पहले निर्धारित नियमों के अनुसार मानचित्र स्वीकृत कराना आवश्यक है। बिना स्वीकृति निर्माण किए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे नियमों का पालन करते हुए ही निर्माण कार्य कराएं, ताकि बाद में ध्वस्तीकरण जैसी कार्रवाई का सामना न करना पड़े।

नगीना सीएचसी में अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर शुरू, अब क्षेत्र में ही होंगे सिजेरियन प्रसव

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना में अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर का विधिवत उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह ने किया। इसके साथ ही क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को अब सिजेरियन प्रसव और गंभीर प्रसूति संबंधी आपात स्थिति में बड़े शहरों या निजी अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जच्चा-बच्चा संबंधी शल्य चिकित्सा सेवाएं नियमित रूप से शुरू कर दी गई हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह ने बताया कि नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहले से ही प्रथम संदर्भन इकाई के रूप में स्थापित है। अब यहां महिला सर्जन डॉ. सोनिका सिंह और बेहोशी विशेषज्ञ डॉ. जॉन सिंह की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इससे क्षेत्र की आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को निजी अस्पतालों में होने वाले भारी खर्च और उपचार के लिए दूर जाने की परेशानी से राहत मिलेगी।

समारोह में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विशाल दिवाकर की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य सेवाओं में किए गए सुधारों की सराहना की गई। बताया गया कि पहले केंद्र पर प्रतिमाह करीब 10 से 15 सामान्य प्रसव होते थे, जबकि बेहतर सुविधाओं के बाद यह संख्या बढ़कर 250 से 300 प्रसव प्रतिमाह तक पहुंच गई है। जनपद में सर्वाधिक प्रसव कराने का रिकॉर्ड भी नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नाम दर्ज होने की बात कही गई।

इस अवसर पर ग्राम गाजीपुर साहन सभाचंद निवासी मौसमी रानी पत्नी विशाल का पहला सफल प्रसव कराया गया। उन्होंने स्वस्थ बालिका को जन्म दिया। प्रसव में एएनएम एवं आशा सलवा की विशेष भूमिका रही। स्टाफ नर्स स्वाति, पूजा, बबीता, मीनाक्षी, फार्मासिस्ट प्रमोद चौहान सहित चिकित्सा अधिकारी और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

मंडलीय निरीक्षक ने सूचना विभाग कार्यालय का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मेरठ मंडलायुक्त के निर्देश पर मंडलीय निरीक्षक कुलदीप भारद्वाज ने गुरुवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, गाजियाबाद कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं, अभिलेखों के रखरखाव, साफ-सफाई तथा अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्य व्यवहार का जायजा लिया। व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की।

निरीक्षण के दौरान मंडलीय निरीक्षक ने पाया कि जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह का अधीनस्थ कर्मचारियों पर पर्याप्त नियंत्रण है और वे कुशल नेतृत्व के साथ कार्यालय का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी पाया कि कार्यालय में आने वाली आम जनता और पत्रकारों के साथ जिला सूचना अधिकारी तथा कर्मचारियों का व्यवहार कुशल और सहयोगात्मक है। कार्यालय में साफ-सफाई और स्वच्छता के साथ सुंदरता का भी विशेष ध्यान रखा गया है। सरकारी अभिलेखों और कार्यालय पंजिकाओं का रखरखाव भी नियमानुसार किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय में कर्मचारियों की कमी प्रमुख रूप से सामने आई। इस संबंध में मंडलीय निरीक्षक ने बताया कि स्टाफ की कमी को लेकर मंडलायुक्त और संबंधित प्रशासनिक सुधार विभाग, लखनऊ को पत्र भेजा जाएगा, ताकि कार्यालय की कार्यक्षमता को और बेहतर बनाया जा सके।

मंडलीय निरीक्षक ने उर्दू अनुवादक मो. इदरीस को कार्यालय की पंजिकाओं और अन्य शासकीय अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित बनाए रखने और अभिलेखों को समय-समय पर अद्यतन करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान राकेश कुमार, रवि कुमार सहित मीडिया प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

अमेरिकन एडुग्लोबल अकादमी के बच्चों ने जिलाधिकारी को बांधी राखी

हापुड़ (शिखर समाचार)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर अमेरिकन एडुग्लोबल अकादमी के बच्चों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी कविता मीना को राखी बांधी। बच्चों ने जिलाधिकारी को तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधा और उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान रक्षाबंधन के पर्व को लेकर बच्चों में उत्साह दिखाई दिया। जिलाधिकारी कविता मीना ने बच्चों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट और उपहार देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे की रक्षा के संकल्प का प्रतीक पर्व है। बच्चों द्वारा राखी बांधकर व्यक्त किया गया स्नेह बेहद भावुक और आत्मीय अनुभव है। उन्होंने बच्चों से कहा कि त्योहार केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से प्रेम, भाईचारे और आपसी विश्वास की भावना भी मजबूत होती है। जिलाधिकारी ने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए उन्हें खूब मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्ट्रेट में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों और अधिकारियों के बीच आत्मीय माहौल रहा। जिलाधिकारी ने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई और रुचियों के बारे में भी जानकारी ली तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों ने भी जिलाधिकारी के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाकर खुशी जाहिर की।

पेराई सत्र से पहले मोदी शुगर मिल ने किया किसानों के गन्ने का पूरा भुगतान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मोदी शुगर मिल प्रबंधन ने आगामी गन्ना पेराई सत्र शुरू होने से पहले ही वर्ष 2025-26 के किसानों के समस्त गन्ना मूल्य का भुगतान कर दिया है। मिल प्रबंधन की ओर से भुगतान संबंधी अभिलेख जिलाधिकारी रविंद्र कुमार को भी प्रस्तुत किए गए। मिल के महाप्रबंधक पीआर डीडी कौशिक ने बताया कि पेराई सत्र 2025-26 में किसानों के गन्ने का कुल भुगतान 297.27 करोड़ रुपये था, जिसकी पूरी धनराशि किसानों को उपलब्ध करा दी गई है। डीडी कौशिक ने बताया कि पिछले वर्षों में कुछ आंतरिक कारणों से गन्ना मूल्य भुगतान में देरी हुई थी। इस बार मिल प्रबंधन ने शासन, प्रशासन और किसानों से वादा किया था कि आगामी पेराई सत्र शुरू होने से पहले ही वर्तमान पेराई सत्र का पूरा गन्ना मूल्य भुगतान कर दिया जाएगा। किसानों के विश्वास और शासन-प्रशासन के सहयोग से मिल प्रबंधन ने अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने जिलाधिकारी को भुगतान से संबंधित सभी अभिलेख और जानकारी उपलब्ध कराई। मिल के उपाध्यक्ष वेदपाल सिंह मलिक ने गन्ना किसानों से अपील की कि वे अपने गन्ने की आपूर्ति मोदी शुगर मिल को ही करें। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पास सट्टे में दर्ज मात्रा से अधिक गन्ने की फसल खड़ी है, वे अतिरिक्त गन्ने के लिए सट्टे की स्वीकृति करा लें, ताकि आगामी पेराई सत्र में गन्ने की आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने बताया कि आगामी पेराई सत्र में 100 लाख कुंतल गन्ने की पेराई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दौरान किसान नेता सत्येंद्र तोमर, अजीत खंजरपुर सहित कई किसान नेताओं ने भी जिलाधिकारी से मुलाकात की और किसानों के संपूर्ण गन्ना मूल्य का भुगतान किए जाने पर मिल प्रबंधन को बधाई दी। समय से भुगतान होने से क्षेत्र के गन्ना किसानों में भी संतोष की स्थिति है।

रक्षाबंधन पर विद्यालय की बहनों ने पुलिसकर्मियों को बांधा रक्षा सूत्र

मुरादनगर (शिखर समाचार)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, मुरादनगर की विद्यालयी बहनों और शिक्षकों ने पुलिस आयुक्त कार्यालय तथा थाने पहुंचकर पुलिसकर्मियों को राखी बांधी। इस दौरान छात्राओं ने पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए समाज की सुरक्षा के लिए उनके समर्पित कार्यों की सराहना की। पुलिसकर्मियों ने भी छात्राओं का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुलिस आयुक्त ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और सुरक्षा का पर्व है। विद्यालय की छात्राओं द्वारा पुलिसकर्मियों को राखी बांधना उनके प्रति सम्मान और अपनत्व की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा और सेवा के लिए हर समय तत्पर रहते हैं। ऐसे आयोजनों से पुलिस और समाज के बीच आपसी विश्वास तथा आत्मीयता और मजबूत होती है। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने विद्यालय परिवार का आत्मीयता से स्वागत किया। उन्होंने छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। पुलिसकर्मियों ने छात्राओं की सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव राजपूत के नेतृत्व में आचार्या पिंकी, सुमन और श्वेता तथा आचार्य नीरज कार्यक्रम में मौजूद रहे। विद्यालय की बहनों और शिक्षकों ने पुलिसकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों और विद्यालय परिवार के बीच आत्मीय वातावरण बना रहा।

बिजनौर नगीना मार्ग की बदहाली से राहगीर परेशान, सात किलोमीटर सड़क पर जगह जगह जानलेवा गड्ढे

बिजनौर (शिखर समाचार)। लोक निर्माण विभाग की कथित उदासीनता के चलते बिजनौर-नगीना मार्ग पिछले कई वर्षों से बदहाल पड़ा है। करीब सात किलोमीटर लंबे इस मार्ग की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि यह समझना मुश्किल हो गया है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क। बरसात के मौसम में मार्ग से गुजरना राहगीरों के लिए और अधिक मुश्किल हो गया है। रेलवे फाटक से पीली चौकी तक कई स्थानों पर सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। ग्राम रशीदपुर गढ़ी के पास सड़क की हालत सबसे अधिक खराब बताई जा रही है। यहां जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाने से वाहन चालकों को उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर कई बार वाहन दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें अनेक लोग घायल हुए हैं। खराब सड़क के कारण दोपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ चार पहिया वाहनों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग की ओर से पहले भी कई बार गड्ढों को भरने और सड़क की मरम्मत कराने का काम किया गया, लेकिन बारिश होते ही मरम्मत उखड़ जाती है और सड़क फिर बदहाल हो जाती है। इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी है। कई राहगीर अब इस मार्ग से बचने के लिए दूसरे लंबे रास्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे उनका समय और ईंधन दोनों अधिक खर्च हो रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता हेमंत प्रताप ने बताया कि फिलहाल सड़क के गड्ढों को अस्थायी रूप से भरने और मरम्मत का कार्य शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मार्ग के स्थायी निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया जारी है। प्रक्रिया पूरी होते ही सड़क का स्थायी निर्माण शुरू कराया जाएगा।

बैठक से पहले शिक्षक पर अधिकारियों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी का आरोप

हापुड़ (शिखर समाचार)। सभागार में प्रस्तावित बैठक से पहले एक शिक्षक द्वारा अधिकारियों के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शिक्षक ने एक अन्य व्यक्ति के सामने मुख्य विकास अधिकारी और जिलाधिकारी को लेकर आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। बताया जा रहा है कि जिस समय यह कथित घटनाक्रम हुआ, उस दौरान दोनों अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे। मामला सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर चचाओं का दौर शुरू हो गया है। मामले में आनंद सैनी नाम के शिक्षक का नाम सामने आ रहा है। सूत्रों के अनुसार, शिक्षक बाबूगढ़ क्षेत्र के भमैड़ा स्थित एक विद्यालय में तैनात है। बताया जा रहा है कि बैठक शुरू होने से पहले शिक्षक किसी बात को लेकर नाराज था। इसी दौरान उसने दूसरे व्यक्ति के सामने अधिकारियों के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कथित रूप से मर्यादित भाषा की सीमा पार कर दी। घटना की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है और कथित टिप्पणी के संबंध में कोई स्पष्ट आधिकारिक बयान भी सामने नहीं आया है। ऐसे में पूरे मामले की वास्तविक स्थिति संबंधित अधिकारियों या विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। शिक्षक द्वारा अधिकारियों के खिलाफ कथित टिप्पणी किए जाने की जानकारी सामने आने के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करेगा। विभागीय स्तर पर मामले को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। शिक्षक का पक्ष और अधिकारियों की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद घटनाक्रम की तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है। फिलहाल मामला आरोपों तक सीमित है और आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

बिना मान्यता चल रहे तीन स्कूलों का निरीक्षण, बंद कराने की चेतावनी

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में बिना मान्यता संचालित किए जा रहे स्कूलों के खिलाफ शिक्षा विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने तीन स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्कूलों में कई अनियमितताएं सामने आने की बात कही गई है। विभाग की ओर से संबंधित स्कूल संचालकों को मान्यता संबंधी नियमों का पालन करने और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों का पालन नहीं करने पर स्कूलों को बंद कराने की चेतावनी दी गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने बताया कि गुरुवार को द टेक्नोस्पायर स्कूल, खड़खड़ी, किसान सहाय मॉडर्न पब्लिक स्कूल, बझीलपुर और सेठ गोविंद सहाय शिक्षा सदन, धनौरा का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किसी भी स्कूल के प्रधानाचार्य अथवा प्रबंधक मान्यता से संबंधित आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। इससे स्कूलों के संचालन को लेकर विभागीय स्तर पर सवाल खड़े हुए हैं। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि किसान सहाय मॉडर्न पब्लिक स्कूल और सेठ गोविंद सहाय शिक्षा सदन आवासीय भवनों में संचालित किए जा रहे थे। विभाग के अनुसार विद्यालयों के संचालन के लिए निर्धारित मानकों और नियमों का पालन करना अनिवार्य है। बिना मान्यता स्कूल संचालित करना नियमों के विरुद्ध है। बीएसए ने स्कूल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मान्यता प्राप्त करने के बाद ही विद्यालयों का संचालन किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिना मान्यता स्कूलों का संचालन जारी रखा गया या विभागीय निदेर्शों का पालन नहीं किया गया तो संबंधित स्कूलों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें बंद कराया जाएगा।

विकास भवन के बाहर ऑटो से हजारों का सामान चोरी

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर कोतवाली क्षेत्र में दिनदहाड़े ऑटो से हजारों रुपये का सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। विकास भवन में बिल देने गए ऑटो चालक के वाहन से अज्ञात चोर 20 से अधिक चादरें और ड्राई क्लीन के कपड़े चोरी कर ले गए। घटना के बाद पीड़ित ने नगर कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई और चोरी हुआ सामान बरामद कराने की मांग की है। अरगन कॉलोनी, असौड़ा निवासी शमशदीन पुत्र हिददा ने पुलिस को बताया कि वह गुरुवार शाम ऑटो लेकर विकास भवन में पर्दे और तौलिये का बिल देने गया था। उसने ऑटो को बाहर खड़ा किया और बिल देने के लिए अंदर चला गया। कुछ समय बाद वापस लौटने पर उसने देखा कि ऑटो में रखा सामान गायब था। जांच करने पर पता चला कि ऑटो से करीब 20-22 डबल बेड की चादरें और ड्राई क्लीन के 10 जोड़ी कपड़े चोरी हो चुके थे।

पीड़ित के अनुसार चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब 15 से 16 हजार रुपये है। सामान गायब मिलने के बाद उसने आसपास काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पीड़ित नगर कोतवाली पहुंचा और प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान को प्रार्थना पत्र देकर घटना की जानकारी दी।

पीड़ित ने पुलिस से अज्ञात चोरों का पता लगाकर उनके खिलाफ कार्रवाई करने और चोरी हुआ सामान बरामद कराने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विकास भवन परिसर और आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज के जरिए चोरों का सुराग तलाशने का प्रयास किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

आवारा सांडों का आतंक, आधा दर्जन ग्रामीण घायल

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के जीटी रोड स्थित कोट गांव में आवारा सांड और पशुओं का आतंक ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। सड़क और गलियों में खुले घूम रहे सांडों के हमले में आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण घायल हो चुके हैं। घायलों में महिला और पुरुष दोनों शामिल हैं। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से शिकायत कर आवारा पशुओं को पकड़वाने और गांव को इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। साथ ही पशुओं के हमले में घायल लोगों के उपचार पर हुए खर्च में सरकार से आर्थिक सहायता दिलाने की अपील की गई है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में बड़ी संख्या में आवारा सांड और अन्य पशु समूह बनाकर सड़कों पर घूमते रहते हैं। इनके पास से गुजरने वाले लोगों पर अचानक हमला कर देते हैं। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। कैलाश के हाथ में सांड की टक्कर लगने से फ्रैक्चर हो गया। वहीं ममता देवी को भी सांड ने टक्कर मारकर घायल कर दिया, जिससे उनके पैर में गंभीर चोट आई और उन्हें शल्य चिकित्सा करानी पड़ी। गांव के ही बालू पर भी आवारा पशु ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन होने वाले हमलों के कारण बच्चों और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने में डर लग रहा है। स्कूली बच्चे भी गलियों से गुजरने में भय महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में घूम रहे आवारा सांडों और अन्य पशुओं को तत्काल पकड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे को रोका जा सके। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि आवारा पशुओं के हमले में घायल हुए लोगों के उपचार पर खर्च हुई धनराशि दिलाने के लिए शासन स्तर से उचित व्यवस्था की जाए। उनका कहना है कि कई परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और महंगे उपचार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

दुष्कर्म के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

बिजनौर (शिखर समाचार)। एससी–एसटी अधिनियम के विशेष सत्र न्यायालय की न्यायाधीश अपर्णा पांडेय ने शादी का झांसा देकर वंचित वर्ग की युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में नामजद मुतलिम उर्फ साहिल की जमानत अर्जी पर्याप्त आधार न मिलने पर खारिज कर दी। मामले में विशेष लोक अभियोजक शलभ शर्मा ने अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय के समक्ष तर्क प्रस्तुत किए। अभियोजन के अनुसार, वंचित वर्ग की युवती ने नजीबाबाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में उसने बताया कि करीब दो वर्ष पहले जंगल में उसकी मुलाकात साहिल कुमार नामक युवक से हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसका दो बार गर्भपात भी कराया। पीड़िता के अनुसार, वह आरोपी को हिंदू समझती थी, लेकिन बाद में उसे उसके वास्तविक नाम मुतलिम उर्फ साहिल के बारे में जानकारी हुई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब उसने आरोपी से शादी करने का दबाव बनाया तो उसके परिजनों ने उसके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली–गलौज की। शिकायत में आठ जुलाई को आरोपी द्वारा उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने का भी आरोप लगाया गया। इसके आधार पर पुलिस ने मुतलिम उर्फ साहिल के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, पुलिस क्षेत्राधिकारी ने मामले की विवेचना पूरी करने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और मामले की परिस्थितियों का अवलोकन किया। न्यायाधीश अपर्णा पांडेय ने जमानत के लिए पर्याप्त आधार नहीं पाए जाने पर आरोपी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

पैतृक मकान पर कब्जे के प्रयास का आरोप, विधवा ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

हापुड़ (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर निवासी एक विधवा महिला ने अपनी पैतृक जमीन पर मकान का पुनर्निर्माण नहीं करने देने और दबंगों द्वारा कब्जे का प्रयास किए जाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उसे अपने पैतृक मकान का निर्माण कराने की अनुमति दिलाने की मांग की है। जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में सोनू शर्मा पत्नी स्वर्गीय संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि उसके पति की कोरोना संक्रमण के दौरान वर्ष 2020 में मृत्यु हो गई थी। महिला के अनुसार, वह पिछले 60–70 वर्षों से अपने पैतृक मकान में रह रही है। मकान काफी जर्जर हो चुका है, जिसके चलते वह उसका पुनर्निर्माण करा रही है। महिला का आरोप है कि गांव के ही विजयवीर सिंह, कृष्णपाल सिंह और कपिल पुत्र विजयवीर सिंह सहित अन्य लोग उसे उसकी पैतृक जमीन पर मकान का निर्माण नहीं करने दे रहे हैं। विरोध करने पर कथित रूप से गाली–गलौज और धमकी दी जाती है। महिला ने बताया कि उसके पास रहने के लिए कोई दूसरा मकान नहीं है और उसके दो छोटे बच्चे हैं। ऐसे में जर्जर मकान का पुनर्निर्माण उसके और परिवार के लिए जरूरी है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि लेखपाल आदित्य चौधरी भी उसके घर पहुंचे और उसके पुत्र कुलदीप को धमकाते हुए जमीन को दूसरे पक्ष की बताने की बात कही। महिला ने जिलाधिकारी से मांग की है कि गांव के लोगों से जानकारी लेने के साथ पुराने राजस्व अभिलेखों की जांच कराई जाए, ताकि जमीन के वास्तविक स्वामित्व की स्थिति स्पष्ट हो सके।

राम मंदिर में अब 'सीईओ मॉडल' की तैयारी

ट्रस्ट तैयार कर रहा पूरा खाका, दो सितंबर की बैठक पर नजर

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर निर्माण के बाद अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि बढ़ती व्यवस्थाओं को पेशेवर ढंग से संचालित करना है। इसी जरूरत को देखते हुए ट्रस्ट में प्रस्तावित मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद को लेकर कवायद तेज हो गई है। फिलहाल किसी नाम पर मुहर लगाने से पहले ट्रस्ट यह तय करने में जुटा है कि सीईओ की कुर्सी के पास कितनी ताकत होगी और उसकी जवाबदेही किसके प्रति होगी। ऐसे में सीईओ का पद महज एक प्रशासनिक नियुक्ति नहीं, बल्कि ट्रस्ट के कामकाज के अगले मॉडल की नींव के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, दो सितंबर को होने वाली बैठक में सीईओ के कार्य, अधिकार, जिम्मेदारियों और जवाबदेही के प्रस्तावित ढांचे पर निर्णायक चर्चा हो सकती है। सदस्यों की सहमति के बाद इस व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद ही सीईओ के संभावित नामों पर निर्णय की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

महासचिव और सीईओ के बीच कैसे बंटेगा काम : सीईओ की नियुक्ति से पहले सबसे अहम सवाल यही है कि उसका कार्यक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव और दूसरे पदाधिकारियों से किस तरह अलग होगा। ट्रस्ट इसी बिंदु पर विस्तृत खाका तैयार कर रहा है, ताकि भविष्य में अधिकारों को लेकर किसी तरह का टकराव न हो।

पहले तय होगा काम, फिर चुना जाएगा चेहरा : सीईओ के मामले में ट्रस्ट का मौजूदा फोकस नाम से ज्यादा पद की भूमिका तय करने पर है। यानी पहले यह तय होगा कि सीईओ क्या करेगा, किन मामलों में निर्णय ले सकेगा और किन विषयों पर ट्रस्ट या उसके पदाधिकारियों की मंजूरी जरूरी होगी। इसके बाद संभावित चेहरों पर विचार होने की संभावना है। फिलहाल किसी नाम को अंतिम नहीं माना जा रहा है।

प्रवक्ता की नियुक्ति पर भी नजर- बैठक सिर्फ सीईओ व्यवस्था के लिहाज से ही महत्वपूर्ण नहीं होगी। ट्रस्ट के प्रवक्ता और रिक्त पदों पर नियुक्ति का फैसला भी इसी बैठक में होने की संभावना है। प्रवक्ता पद के लिए कई नाम चर्चा में हैं। इनमें राज परिवार के सदस्य यतींद्र मोहन मिश्र का नाम भी शामिल बताया जा रहा है। उन्हें ट्रस्ट में सदस्य के रूप में शामिल कर प्रवक्ता की जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, डॉ. अनिल मिश्र के इस्तीफे से खाली हुए पद पर किसी संघ पदाधिकारी की नियुक्ति लगभग तय मानी जा रही है। हालांकि अंतिम निर्णय ट्रस्ट की बैठक में ही होगा।

जमाखोरों पर चला प्रशासनिक डंडा, लुढ़के प्याज और चीनी के दाम, थोक से लेकर फुटकर बाजार तक राहत

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में शासन और जिला प्रशासन ने जमाखोरों पर डंडा चलाया तो प्याज और चीनी के भाव लुढ़क गए हैं। चीनी के थोक भाव 59 रुपये किलो हो गए हैं। फुटकर में यह 65 रुपये किलो पर आ गई है। थोक में प्याज 35 रुपये और फुटकर में 55 रुपये किलो बिकने लगा है।

तीन दिन में थोक में चीनी के भाव सात रुपये किलो तक कम हो गए हैं। पहले यह 66 रुपये में थी। फुटकर में चीनी अभी तक 68 से 70 रुपये किलो में बिक रही थी। अगले कुछ दिनों में भावों में और कमी आने की संभावना है। एक अगस्त को फुटकर में चीनी 48-49 रुपये किलो थी।

सरकार ने चीनी आयात करने की घोषणा की है : कानपुर शुगर मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी ने बताया कि चीनी की कृत्रिम किल्लत दिखाई जा रही थी। मिलों और स्टाकिस्टों पर की गई कार्रवाई का भी बाजार पर असर देखने को मिलने लगा है। चीनी मिल संचालक मनमानी और कालाबाजारी कर रहे थे। सरकार ने चीनी आयात करने की घोषणा की है। ये जितनी जल्दी बाजार में आएगी।

फुटकर में दाम 65 रुपये किलो तक कर दिए : उसके बाद भावों में और कमी देखी जाएगी। किराना व्यापारी राजेश कुमार शुक्ला और रितेश द्विवेदी ने बताया कि चीनी का थोक भाव 66 रुपये किलो से घटकर 59 रुपये हो गया है। फुटकर में दाम 65 रुपये किलो तक कर दिए गए हैं। जिन दुकानदारों ने 66 रुपये किलो में चीनी खरीदी है, वे स्टॉक खत्म होने तक 68-70 रुपये किलो में चीनी बेचेंगे।

आदित्य आगजनी प्रकरण को लेकर किसानों का कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन

शामली (शिखर समाचार)। किसान आदित्य के आगजनी प्रकरण को लेकर भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने गुरुवार को कलक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। किसानों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी की और बाद में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। कई घंटे चले धरने के दौरान जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे तथा किसान नेताओं से वार्ता कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर के निर्देश पर प्रदेश प्रभारी अजय त्यागी के नेतृत्व में किसान कलक्ट्रेट पहुंचे। किसान नेताओं ने बताया कि संगठन ने 21 अगस्त को भी प्रदर्शन कर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा था। उस समय प्रशासन को 26 अगस्त तक कार्रवाई का समय दिया गया था। कार्रवाई नहीं होने पर 27 अगस्त से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी गई थी। निर्धारित समय तक कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए किसानों ने गुरुवार को दोबारा प्रदर्शन किया।

किसानों ने कानूनगो अमरीश शर्मा, पटवारी दिलशाद और दरोगा सोमपाल को निलंबित करने, उनकी संपत्ति की जांच कराने तथा तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। किसान नेताओं का आरोप है कि राजस्व विभाग की कार्रवाई से क्षुब्ध होकर आदित्य ने खुद को आग लगा ली थी। उनका यह भी आरोप है कि घटना के समय मौके पर मौजूद किसी सरकारी कर्मचारी ने आग बुझाने या एंबुलेंस बुलाने का प्रयास नहीं किया। आसपास मौजूद किसानों ने आदित्य को अस्पताल पहुंचाया। आदित्य का दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल में उपचार चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। धरने के दौरान जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर किसान नेताओं से वार्ता की और मामले में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने अनिश्चितकालीन धरना समाप्त कर दिया। प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष शाकिब, इंतजार प्रधान, अभिषेक चौधरी, निखिल चौधरी, आकिल राणा, मुंसफ अली, अब्बास, रंजनी शर्मा, शहजाद मलिक, सोनू चौधरी, नौशाद अल्वी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

16 लाख रुपये देकर लगवाई बेटी की सरकारी नौकरी, वो भी ढाई महीने में ही चली गई; सच जान छूटे पसीने

आगरा, एजेंसी। नौकरी की तलाश और बेहतर भविष्य के सपने अक्सर ठगों के लिए आसान शिकार बन जाते हैं। लोहामंडी थाना क्षेत्र में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। एक पिता ने अपनी बेटी और बेटे को सरकारी नौकरी दिलाने के लिए जेवर गिरवी रखकर 16 लाख रुपये दिए। आरोपियों ने फर्जी नियुक्ति पत्र देकर बेटी को ढाई महीने तक नौकरी कराई बाद में पल्ला झाड़ लिया। पीड़ित ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। खास बात है कि नामजद लोगों में भाजपा के एक विधायक के भाई और भाभी का भी नाम है।

लोहामंडी तोता का ताल निवासी अमर सिंह कुशवाह ने पुलिस आयुक्त दीपक कुमार से शिकायत की। उन्हें बताया कि 12 जनवरी को उनके बेटे पीयूष और बेटी वैशाली को सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा दिया गया। आरोप है कि मंजू कुशवाह और उनके पति विजयपाल सिंह कुशवाह (जो स्थानीय भाजपा विधायक भगवान सिंह कुशवाह के भाई हैं) ने इस पूरी साजिश की नींव रखी। खुद को सरकारी अध्यापिका बताने वाली मंजू और सिरसागंज के राजेश कुमार बघेल (जिसने खुद को सरकारी महाविद्यालय का प्रधानाचार्य और लखनऊ सचिवालय तक पहुंच वाला बताया) ने मिलकर इसे अंजाम दिया।

उन्होंने बताया कि पहले 20 लाख में सौदा तय हुआ, जिसे बाद में घटाकर 16 लाख रुपये कर दिया गया। उन्होंने अपनी बेटी की शादी के और पुश्तैनी जेवर गिरवी रखकर 15 जनवरी को 7 लाख और 25 जनवरी को 6.50 लाख रुपये नकद दिए। आरोप है कि 21 जनवरी को राजेश बघेल वैशाली को इंदिरा भवन, लखनऊ ले गया जहां उसे फर्जी नियुक्ति पत्र मिला।

22 जनवरी को उसकी ड्यूटी हाथरस जिला पंचायत कार्यालय में लगवा दी गई। वहां वैशाली ने करीब ढाई महीने तक ईमानदारी से काम किया। वेतन नहीं मिलने पर पूछा तो आरोपियों ने गोलमोल जवाब देते हुए उसका तबादला रायबरेली बता दिया।

इसके बाद 24 मार्च को उसे लखनऊ के गोमती नगर स्थित एक केंद्र ले जाकर फर्जी सर्विस बुक भी बनवा दी गई। 10 अप्रैल को जब वैशाली रायबरेली पहुंची तो वहां उसकी कोई नौकरी थी ही नहीं। इसी तरह बेटे पीयूष को भारतीय रिजर्व बैंक में नौकरी दिलाने के नाम पर भी 2.10 लाख रुपये नकद और 40,000 रुपये यूपीआई के जरिये ऐंठे गए।

मामले में आया नया मोड़

इस हाई-प्रोफाइल मामले में नया मोड़ तब आया जब पुलिस ने अमर सिंह की तहरीर पर मंजू कुशवाह, विजयपाल सिंह कुशवाह, राजेश कुमार बघेल, योगेंद्र प्रताप सिंह बघेल, सुदेश कुमार और कुमारी अनुज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इस मामले में विधायक के भाई विजयपाल और उनकी पत्नी का पक्ष है कि मुख्य आरोपी राजेश बघेल और उसके साथियों ने उनके साथ भी एक करोड़ से अधिक की ठगी की है और वे खुद इस गिरोह के शिकार हुए हैं। वीडियो में पैसों के लेन-देन की जो बात सामने आ रही है, वह वास्तव में ठगी गई रकम को वापस मांगने की है।

गले में खराश या फिर सिरदर्द, तुरंत डॉक्टर को दिखाएं; एसएन में शुरू हुई स्क्रीनिंग

आगरा, एजेंसी। मौसम में बदलाव से वायरल फीवर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मेडिसिन और बाल रोग विभाग की ओपीडी में इसके 70 फीसदी मरीज हैं। स्वाइन फ्लू की स्क्रीनिंग भी की जा रही है। अब तक किसी में इसके गंभीर लक्षण नहीं मिले हैं।

मेडिसिन विभाग के डॉ. जितेंद्र दौनेरिया ने बताया कि ओपीडी में रोजाना औसतन 650 मरीज आ रहे हैं। इनमें से 60-70 फीसदी को वायरल फीवर के हैं। इसमें जुकाम-खांसी, गले में खराश-सूजन, मांसपेशियों-सिर में दर्द की परेशानी मिल रही है। मेडिसिन विभाग के डॉ. मनीष बंसल ने बताया कि तेज बुखार के साथ ठंड लगना, सांस फूलने, उल्टी-दस्त पर स्क्रीनिंग कर मरीज की स्वाइन फ्लू की जांच करा रहे हैं।

राहत की बात है कि इन्फ्लुएंजा एच1एन1 की पुष्टि नहीं हो रही है। बुखार होने पर पैरासिटामॉल लें, आराम नहीं मिलने पर चिकित्सक को दिखाएं। बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि वायरल फीवर के मरीज मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बच्चों में तेज बुखार, उल्टी-दस्त, पेट में दर्द, जुकाम-खांसी की परेशानी मिल रही है। स्वाइन फ्लू के खतरे को देखते हुए ओपीडी में स्क्रीनिंग भी की जा रही है।

उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक कांग्रेस साइंस के अध्यक्ष डॉ. कैलाश चंद सारस्वत ने बताया कि वायरल फीवर में आर्सेनिक-30 और बेलाडोना-30 की तीन-तीन बूंदें सुबह-शाम ले सकते हैं।

कबड्डी चैंपियन से बने हरियाणवी स्टार

अधूरा रहा बॉलीवुड सिंगर बनने का सपना; अंकित बालियान की पूरी कहानी

शामली , एजेंसी। बंतीखेड़ा निवासी अंकित बालियान ने कबड्डी के मैदान से हरियाणवी संगीत की दुनिया तक अपनी पहचान बनाई थी। प्रदेश स्तर पर कबड्डी खेल चुके अंकित के पैर में चोट लगी तो खेल का सफर थम गया। इसके बाद उन्होंने जिम से अपनी नई शुरुआत की और करीब वर्ष 2022 में हरियाणवी गायन की दुनिया में कदम रखा। मेहनत के दम पर उन्होंने 50 से अधिक गानों में काम किया। अब उनकी नजर जिला पंचायत सदस्य के चुनाव पर थी और इसके बाद बॉलीवुड में कदम रखने की तैयारी थी। हालांकि हत्या की वारदात ने उनके इन सपनों को हमेशा के लिए अधूरा छोड़ दिया।

अंकित के भाई कपिल ने बताया कि वर्ष 2013-14 तक अंकित प्रदेश स्तरीय कबड्डी खिलाड़ी थे। हालांकि उन्हें संगीत का भी शौक था। दिल्ली, भोपाल समेत कई स्थानों पर हुई प्रतियोगिताओं में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। कबड्डी खेलते समय पैर में फ्रैक्चर होने के कारण उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। इसके बाद उन्होंने जिम ज्वाइन किया और वर्ष 2022 में हरियाणवी सिंगर बनने के लिए मेहनत शुरू कर दी।

अंकित ने गोली-गोली के बारूद..., एक खटोला जेल के भीतर..., मोदी बड़ा गांव....., रुतबा जाट और जाटनी.... समेत 50 से अधिक हरियाणवी गानों में काम किया था। उनके गानों को लोगों ने पसंद किया। गायन के काम के चलते वह रोहतक के सेक्टर-14, सोनीपत और दिल्ली के खजूरी खास में रहते थे। उन्होंने तीनों स्थानों पर कार्यालय भी बना रखे थे और एक-दो महीने में ही गांव आते थे।

अंकित ने प्राथमिक शिक्षा गांव के विद्यालय से हासिल की थी। इसके बाद दिल्ली से बीपीएड किया। परिवार के अनुसार वह गांव से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे थे। चुनाव के बाद बॉलीवुड में हाथ आजमाने की योजना थी। इसके लिए उनकी कुछ चर्चित बॉलीवुड कलाकारों से बातचीत भी चल रही थी।

20 से अधिक नए गानों पर कर रहे थे काम : कपिल ने बताया कि अंकित 20 से अधिक नए हरियाणवी गानों पर काम कर रहे थे। इन गानों को अगले महीने रिलीज करने की तैयारी थी। वह लगातार शूटिंग और अन्य तैयारियों में जुटे हुए थे।

शिक्षिका से किया था प्रेम विवाह : कपिल ने बताया कि अंकित ने करीब चार साल पहले दिल्ली के खजूरी खास निवासी शिक्षिका ज्योति से प्रेम विवाह किया था। इसी कारण वह खजूरी खास में पत्नी के साथ भी रहते थे।

पिता सेना से रिटायर्ड, परिवार के पास 20 बीघा जमीन : कपिल के अनुसार परिवार के पास करीब 20 बीघा जमीन है। पिता सत्यवीर सिंह सेना से सेवानिवृत्त हैं और वर्तमान में गांव में खेती करते हैं। कपिल एमकॉम की पढ़ाई कर रहे हैं।

चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर थे अंकित : अंकित चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर थे। उनकी दोनों बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। अंकित की भी शादी हो चुकी थी और उनकी पत्नी शिक्षिका हैं। उनका एक छोटा भाई है। हत्या की वारदात के बाद पैतृक गांव बंतीखेड़ा में शोक का माहौल है। ग्रामीणों के शामली पहुंचने के कारण गांव में भी सन्नाटा पसरा हुआ है।

हरियाणवी संस्कृति से था गहरा लगाव : मृतक के भाई ने बताया कि अंकित बालियान को हरियाणवी संस्कृति और संगीत से गहरा लगाव था।

वह सिर्फ हरियाणवी सिंगर और कलाकार ही नहीं थे, बल्कि गीतकार और संगीतकार के रूप में भी काम करते थे। हरियाणवी संस्कृति को अपने गीतों और संगीत के जरिए लोगों तक पहुंचाना उनका जुनून था। यही वजह थी कि कम समय में उन्होंने हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली थी।

छह एकड़ में विकसित ग्रीन बेल्ट का लोकार्पण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र को हरित एवं स्वच्छ बनाने की दिशा में यमुना प्राधिकरण ने महत्वपूर्ण पहल की है। सेक्टर-32 में एवरी डेनिसन कंपनी के समीप प्राधिकरण द्वारा कंपनी को अपनत्व के लिए दी गई करीब छह एकड़ भूमि पर विकसित हरित पट्टी का मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने 27 अगस्त को लोकार्पण किया। इस हरित पट्टी में करीब 21 हजार पौधों का रोपण करने के साथ आकर्षक लॉन विकसित किया गया है। सड़क के स्तर से नीचे होने के कारण यहां जलभराव की समस्या से बचाव के लिए वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी की गई है। हरित पट्टी में लोगों के टहलने के लिए पैदल पथ बनाया

गया है। यहां मियावाकी पद्धति से पौधरोपण करने के साथ विभिन्न प्रजातियों के फूलदार और छायादार वृक्ष लगाए गए हैं। ऐसे फूलदार पौधों का भी चयन किया गया है, जिनसे अलग-अलग मौसम में पूरे वर्ष

हरियाली और पुष्प दिखाई देते रहें। यह हरित पट्टी आम लोगों के लिए खुली रहेगी। इससे क्षेत्रवासियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण के साथ घूमने-टहलने के लिए बेहतर स्थान भी उपलब्ध होगा। इस परियोजना को एवरी डेनिसन के लिए गिव मी ट्रीज संस्था ने विकसित किया है। निकट भविष्य में कंपनी ने समीपवर्ती गोलचक्कर को भी विकसित करने में रुचि दिखाई है। लोकार्पण कार्यक्रम में उपनिदेशक उद्यान आनंद मोहन सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक उद्यान डॉ. आरती सिंह तथा एवरी डेनिसन की ओर से निदेशक अमिताभ सागर, अजय कुमार, प्रदीप और इंदू सहित प्राधिकरण एवं कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।यमुना प्राधिकरण ने वर्ष 2026-27 में निर्धारित 77,007 पौधों के लक्ष्य के मुकाबले कुल 1.50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश भी दिया गया।

डिजिटल अध्ययन केंद्र के निर्माण का भूमि पूजन, युवाओं को मिलेगा बेहतर अध्ययन का माहौल

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर की ओर से नगर के विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डिजिटल अध्ययन केंद्र के निर्माण की पहल शुरू की गई है। दुष्यंत पुस्तकालय के पास प्रस्तावित डिजिटल अध्ययन केंद्र के निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इंदिरा सिंह और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. बीरबल सिंह ने संयुक्त रूप से भूमि पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित विनोद गोस्वामी ने विधि-विधान से भूमि पूजन संपन्न कराया।

इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने कहा कि डिजिटल अध्ययन केंद्र के बनने से नगर के विद्यार्थियों, युवाओं और आम लोगों को बेहतर अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वर्तमान समय में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में डिजिटल संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में नगर में आधुनिक अध्ययन केंद्र की सुविधा उपलब्ध होना युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में सभासद मनोरमा शर्मा, राजा, अभिषेक राणा, अमित ठाकुर, वंदना अग्रवाल और आशीष अग्रवाल सहित नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह, अवर अभियंता (सिविल) यशवंत कुमार, अवर अभियंता (जलकल) गौरव शर्मा, सफाई निरीक्षक गोविंद और निर्माण लिपिक सोनिका गर्ग समेत पालिका के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने डिजिटल अध्ययन केंद्र को नगर के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताते हुए इसके निर्माण को सराहनीय पहल बताया।

हाईकोर्ट का बड़ा वार! बलिया के नितेश कुमार पर दर्ज पूरा मुकदमा ध्वस्त, चार्जशीट और समन आदेश भी खारिज

प्रयागराज (शिखर समाचार)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बलिया के नितेश कुमार और एक अन्य के विरुद्ध चल रही आपराधिक कार्यवाही को निरस्त करते हुए महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की अदालत ने 13 अगस्त 2026 को पारित आदेश में केस संख्या 2326/2026, राज्य बनाम नितेश कुमार एवं अन्य से संबंधित पूरी कार्यवाही, आरोप पत्र तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, बलिया द्वारा 23 फरवरी 2026 को पारित संज्ञान एवं समन आदेश को आवेदकों के संबंध में निरस्त कर दिया।

मामला 31 जनवरी 2025 को दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा था। आरोप था कि 27 जनवरी 2025 को दीप ट्रेडिंग कंपनी पर हुई छापेमारी के बाद 29 जनवरी को आवेदक दूसरे पक्ष के घर पहुंचे, जहां कथित रूप से गाली गलौज, धमकी और मारपीट की गई। पुलिस जांच के बाद 24 जून 2025 को केवल नितेश कुमार और एक अन्य के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया गया था।

आवेदकों की ओर से अदालत में प्रभावी ढंग से दलील दी गई कि उन्हें झूठा फंसाया गया है और घटना के संबंध में लगाए गए आरोपों के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। इस मामले में अधिवक्ता अपूर्व हजेला की दमदार पैरवी और प्रभावी कानूनी दलीलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी ओर से अदालत के समक्ष यह भी तर्क रखा गया कि संबंधित अधिकारी ने आवेदकों को अपने निजी आवास पर बुलाया था और

इसलिए कथित घटना को सरकारी कार्य के दौरान हुई घटना नहीं माना जा सकता।

हाईकोर्ट ने अभिलेखों और दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद कहा कि आरोप प्रथम दृष्टया पर्याप्त नहीं हैं तथा रिकॉर्ड पर ऐसा ठोस आधार नहीं है, जिससे आवेदकों के विरुद्ध अभियोजन चलाया जाना उचित हो। अदालत ने उच्चतम न्यायालय के भजन लाल मामले में निर्धारित सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए माना कि यह मामला उन परिस्थितियों में आता है, जहां न्यायालय की अंतर्निहित शक्ति का प्रयोग कर आपराधिक कार्यवाही को समाप्त किया जा सकता है। इसके बाद अदालत ने आवेदन स्वीकार करते हुए दोनों आवेदकों के संबंध में पूरी आपराधिक कार्यवाही निरस्त कर दी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने किसानों के मुआवजे में की ऐतिहासिक बढ़ोतरी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा के विकास में किसानों के योगदान को सम्मान देते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने किसानों को बड़ी राहत दी है। शासन के निर्देश पर बोर्ड ने भूमि के मुआवजे की दर 4125 रुपये से बढ़ाकर 6415 रुपये प्रति वर्ग मीटर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वर्तमान दर के मुकाबले यह करीब 55 .5 प्रतिशत की वृद्धि है। पहली बार मुआवजा राशि में एकमुश्त 2290 रुपये प्रति वर्ग मीटर की बढ़ोतरी की गई है। छह प्रतिशत आबादी भूखंड लेने वाले किसानों को 5725 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मुआवजा दिया जाएगा। बोर्ड ने करीब दस वर्ष बाद छह प्रतिशत आबादी भूखंड देने की व्यवस्था भी फिर लागू करने का निर्णय लिया है। वर्ष 2016 में यह प्रावधान समाप्त कर दिया गया था। अब आबादी

भूखंड लेने वाले किसानों के लिए अलग सेक्टर विकसित किए जाएंगे। इन सेक्टरों को आवासीय और औद्योगिक सेक्टरों की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। किसानों को प्राधिकरण के पक्ष में जमीन की रजिस्ट्री करते समय ही आबादी भूखंड का आरक्षण पत्र जारी करने की व्यवस्था की गई है। प्राधिकरण के अनुसार वर्ष 2023-24 से भूमि का मुआवजा 4125 रुपये प्रति वर्ग मीटर था। इससे पहले वर्ष 2014-15 से 2021-22 तक 3500 रुपये और वर्ष 2022-23 में 3750 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर लागू थी। नई व्यवस्था के तहत भूमि खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता में भूमि अधिग्रहण प्रकोष्ठ गठित किया जाएगा। किसानों को पूरी मुआवजा राशि उनके बैंक खातों में पारदर्शी तरीके से भेजी जाएगी। आबादी भूखंड का न्यूनतम क्षेत्रफल 40 और अधिकतम 2500 वर्ग मीटर होगा। भूमि पर मौजूद परिसंपत्तियों का अलग से मुआवजा दिया जाएगा। प्रमुख मार्गों से लगी भूमि के किसानों को आबादी भूखंड आवंटन में प्राथमिकता मिलेगी।

रक्षाबंधन पर सेंट आर. सी. कॉन्वेंट स्कूल में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

शामली (शिखर समाचार)। सेंट आर. सी. कॉन्वेंट स्कूल शामली में भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट रिश्ते के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को राखी बांधी और मिठाई खिलाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं।

बच्चों ने पेड़-पौधों को भी राखी बांधकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया और प्रकृति की रक्षा का संदेश दिया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से ह्यप्यारी बहनाह्न विषय पर निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपने निबंधों के माध्यम से पेड़-पौधों के महत्व, बढ़ते वायु प्रदूषण और अंधाधुंध वन कटान से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डाला। बच्चों ने बताया कि पेड़-पौधे वातावरण को शुद्ध रखने के साथ मानव जीवन के लिए आवश्यक फल, सब्जियां, औषधियां, लकड़ी, कागज और अन्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कहा कि तेजी से घटते हरित क्षेत्र के कारण पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है, इसलिए पौधारोपण के साथ उनका संरक्षण भी जरूरी है। विद्यार्थियों ने पर्यावरण के लिए हानिकारक पॉलिथीन का प्रयोग नहीं करने और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या उजमा जैदी ने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस प्रकार भाई-बहन एक-दूसरे की रक्षा का संकल्प लेते हैं, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति की रक्षा का भी प्रण लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण और पौधों का संरक्षण स्वस्थ, स्वच्छ एवं हरित वातावरण के लिए आवश्यक है। प्रकृति की रक्षा करना ही रक्षाबंधन का सार्थक संदेश है और इसे निभाना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

बच्चों ने वृक्षों और अधिकारियों को राखी बांधकर दिया रक्षा का संदेश

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर सेंट द्रोण पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अनूठी पहल करते हुए विशाल वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने वृक्षों की रक्षा और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प भी लिया। इसके बाद छात्र-छात्राएं शामली पहुंचीं और जिलाधिकारी तथा संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राखी बांधकर जनसेवा और समाज की सुरक्षा के प्रति सम्मान व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधक इंजीनियर अमन शर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, समाज और राष्ट्र की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण और प्रकृति की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। बच्चों की इस पहल को अधिकारियों और कर्मचारियों ने सराहा। उधर, देवी उमराकौर वैदिक इंटर कॉलेज, बनत में भी रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए आकर्षक राखियां तैयार कीं। कनिष्ठ वर्ग में कक्षा छह की शिवानी ने प्रथम, अक्षा पाल ने द्वितीय और कक्षा सात की शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग में कक्षा नौ की गौरी प्रथम, खुशी द्वितीय और सावी तृतीय स्थान पर रहीं। विद्यालय में प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। शिक्षकों ने विजेता छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए रक्षाबंधन पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला।

सोशल मीडिया पोस्ट से अंकित बालियान हत्याकांड की जांच को नया मोड़

शामली (शिखर समाचार)। शहर के आर्यपुरी क्षेत्र में जिम के बाहर हरियाणवी गायक एवं अभिनेता अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस की जांच कई अहम बिंदुओं पर केंद्रित हो गई है। सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट में हरियाणा के गोगी गिरोह से जुड़े बताए जा रहे लोगों की ओर से हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है। हालांकि पुलिस ने इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है और पोस्ट की सत्यता की जांच की जा रही है। दूसरी ओर, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में वारदात से पहले और बाद में दो बाइकों पर चार संदिग्ध युवक दिखाई दिए हैं। बुधवार शाम अंकित बालियान आर्यपुरी क्षेत्र स्थित जिम से बाहर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित कीं। पुलिस द्वारा खंगाली गई सीसीटीवी फुटेज में चार संदिग्ध युवक दो अलग-अलग बाइकों पर दिखाई दिए हैं। कुछ फुटेज में संदिग्ध वारदात के बाद तेजी से फरार होते नजर आ रहे हैं। पुलिस उनके चेहरे, बाइकों और फरार होने के रास्तों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। इधर, सोनीपत निवासी बताए जा रहे भोलू शाहपुरिया के इंस्टाग्राम खाते से साझा की गई पोस्ट में हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा सामने आया है। पोस्ट में हत्या के पीछे गाना बनाने को लेकर विवाद और कथित तौर पर विरोधियों का साथ देने की बात कही गई है। इसमें आगे भी वारदात करने की धमकी का दावा किया गया है। पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट में किए गए दावों की भी जांच कर रही है। हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए एडीजी मेरठ भानु भास्कर ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि मामले के खुलासे के लिए शामली के साथ बागपत और मुजफ्फरनगर पुलिस को भी लगाया गया है। पुलिस की चार टीमें हरियाणा भेजी गई हैं। जांच में संभावित गिरोह संबंधों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को शामिल किया गया है। पुलिस का कहना है कि शूटरों की पहचान और हत्या के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

15 दिन के आश्वासन पर भारतीय किसान यूनियन का धरना समाप्त

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर तहसील परिसर में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन का चल रहा धरना गुरुवार को अधिकारियों के 15 दिन के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। किसानों ने यमुना एक्सप्रेसवे के खुर्जा अंडरपास पर सीढ़ियां बनवाने तथा नोएडा और ग्रेटर नोएडा आने-जाने वाले स्थानीय क्षेत्र के लोगों के लिए यमुना एक्सप्रेसवे को टोल मुक्त करने की मांग उठाई थी। धरने को कई किसान संगठनों के साथ जेवर बार एसोसिएशन का भी समर्थन मिला। भारतीय किसान यूनियन के वरिष्ठ नेता पवन चौरोली के नेतृत्व में किसानों ने मांगों को लेकर सोमवार से तहसील परिसर में धरना शुरू किया था। किसानों का कहना था कि यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के लोगों के आवागमन से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाना जरूरी है। खुर्जा अंडरपास पर सीढ़ियां नहीं होने के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं स्थानीय लोगों के लिए एक्सप्रेसवे पर टोल की व्यवस्था को लेकर भी किसानों में नाराजगी है। गुरुवार शाम धरना स्थल पर उपजिलाधिकारी और सहायक पुलिस आयुक्त पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों के बीच बैठकर उनकी मांगों पर बातचीत की और समस्याओं के समाधान के लिए 15 दिन का समय मांगा। अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया कि इस अवधि में मांगों पर संबंधित स्तर पर कार्रवाई करते हुए समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसान नेताओं ने धरना समाप्त करने की घोषणा कर दी। भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि 15 दिन की अवधि में यदि मांगों के संबंध में सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आगे की रणनीति तय की जाएगी। धरना समाप्त होने के बाद प्रशासन ने भी राहत की सांस ली। किसानों ने स्पष्ट किया कि वे अपनी मांगों को लेकर आगे भी अधिकारियों के संपर्क में रहेंगे।

बाइक सवार को थार ने रौंदा, मौके पर मौत

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-32 स्थित कंपनी से घर लौट रहे बाइक सवार की तेज रफ्तार थार की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने थार को कब्जे में लेकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गांव मुरादगढ़ी निवासी सुरेंद्र (48) यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-32 स्थित एक कंपनी में निर्माण कार्य और हाइड्रा मशीन संबंधी काम करते थे। गुरुवार दोपहर वह कंपनी से बाइक पर सवार होकर अपने घर के लिए निकले थे। बताया गया है कि गांव के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार और बेकाबू थार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुरेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। कुछ ही देर में उनकी मौके पर मौत हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस बीच थार चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त बाइक तथा थार को कब्जे में लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के क्षेत्र में लगे निगरानी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि चालक के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

जनपद स्तरीय पुरुष हॉकी ट्रायल में सात खिलाड़ियों का चयन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जिला खेल कार्यालय, गौतमबुद्धनगर की ओर से गुरुवार को एस्टर पब्लिक स्कूल, डेल्टा-2, ग्रेटर नोएडा में जनपद स्तरीय पुरुष हॉकी चयन परीक्षण आयोजित किया गया। इसमें जिले के प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खिलाड़ियों के खेल कौशल, प्रदर्शन और प्रतिभा के आधार पर सात खिलाड़ियों का चयन मंडल स्तरीय चयन परीक्षण के लिए किया गया।

मंडल स्तरीय चयन के लिए धनंजय, शिवम, चंदन, धर्मेंद्र, सचिन भाटी, जीतेश और सुरेश का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों को अब मंडल स्तर पर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। जिला खेल कार्यालय के अनुसार मंडल स्तरीय चयन परीक्षण 31

अगस्त को कैलाश प्रकाश स्टेडियम, मेरठ में आयोजित किया जाएगा। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी गौतमबुद्धनगर डॉ. परवेज अली ने बताया कि मंडल स्तरीय चयन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुना जाएगा। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता छह से 11 सितंबर तक डॉ. भीमराव आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल, क्षेत्रीय खेल कार्यालय, अयोध्या में आयोजित होगी। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए आगामी चयन प्रक्रिया के लिए पूरी मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के साथ तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मंडल और प्रदेश स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर जनपद एवं प्रदेश का नाम रोशन करने का प्रयास करना चाहिए। जिला खेल कार्यालय की इस चयन प्रक्रिया का उद्देश्य स्थानीय खेल प्रतिभाओं को उचित मंच उपलब्ध कराना और उन्हें मंडल, प्रदेश तथा उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

आईटीएस मोहन नगर में गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल का जोरदार स्वागत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर में ओरिएंटेशन कार्यक्रम 2026 के समापन दिवस पर अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल और अभिनेत्री शहनाज गिल के आगमन से परिसर में उत्साह का माहौल रहा। दोनों कलाकारों का करीब तीन हजार विद्यार्थियों ने तालियों और नारों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। संस्थान के पदाधिकारियों ने कलाकारों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर विशेष मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल ने विद्यार्थियों के साथ फिल्म जगत से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। दोनों कलाकारों ने अपनी आगामी फिल्म 'सिंह वर्सेज कौर 2' से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी। इसके बाद उन्होंने फिल्म के दो-तीन गीतों की सजीव प्रस्तुति देकर विद्यार्थियों का मनोरंजन किया। गीतों की प्रस्तुति शुरू होते ही पूरा परिसर तालियों और संगीत से गूंज उठा।

कलाकारों को अपने बीच देखकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया और इस यादगार अवसर को अपने कैमरों में कैद किया। विद्यार्थियों में आगामी फिल्म को लेकर भी उत्सुकता नजर आई। कलाकारों ने विद्यार्थियों के उत्साह और समर्थन के लिए

उनका आभार व्यक्त किया तथा फिल्म के प्रति अपना प्यार बनाए रखने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में आईटीएस समूह के अध्यक्ष डॉ. आरपी चड्ढा, आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा, आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अजय कुमार, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस के प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय तथा आईटीएस स्नातक परिसर की उपप्रधानाचार्या डॉ. नैन्सी शर्मा सहित संस्थान के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

सिंह वर्सेज कौर 2 11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली है। कलाकारों की मौजूदगी और सजीव प्रस्तुतियों ने आईटीएस मोहन नगर के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के समापन को यादगार बना दिया।

संपादकीय

न्यूयॉर्क में भागवत के कार्यक्रम पर घमासान, भारतीय मूल के अमेरिकियों की वैचारिक दरार आई सामने

न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विवाद अब केवल एक आयोजन के समर्थन और विरोध तक सीमित नहीं रह गया है। यह मामला अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोगों के बीच विचारधारात्मक मतभेद, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति के अधिकार और भारत की छवि को लेकर चल रही बहस का बड़ा प्रतीक बन गया है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कार्यक्रम का समर्थन करने से इनकार किया है, लेकिन साथ ही यह भी माना है कि किसी निजी कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार संभवतः शहर के पास नहीं है। इस बयान ने विवाद को और गहरा कर दिया है, क्योंकि अब सवाल यह है कि लोकतंत्र में किसी विचार से असहमति और उस विचार को सार्वजनिक मंच मिलने के अधिकार के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। मोहन भागवत अमेरिकी दौरे पर पहुंच चुके हैं और संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क अभियान के तहत अमेरिका के अलावा कनाडा और ब्रिटेन में भी कार्यक्रमों में भाग लेने वाले हैं। न्यूयॉर्क में प्रस्तावित ह्यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशनह्न का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग कर रहा है। कार्यक्रम में करीब पांच हजार लोगों के शामिल होने की संभावना बताई जा रही है। आयोजक इसे भारतीय अमेरिकी समुदाय के सांस्कृतिक जुड़ाव, संवाद और एकता का अवसर बता रहे हैं, जबकि इसके विरोधी आरएसएस की विचारधारा और भारत में अल्पसंख्यकों से जुड़े सवालों को सामने रख रहे हैं। विवाद को नई धार तब मिली जब अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने अमेरिकी सरकार से भागवत का वीजा रद्द करने और आरएसएस से जुड़े लोगों तथा कथित धार्मिक स्वतंत्रता उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार भारतीय अधिकारियों पर लक्षित प्रतिबंध लगाने की मांग की। भारत सरकार और आरएसएस पहले भी ऐसे आरोपों को पक्षपातपूर्ण बताते रहे हैं। आरएसएस स्वयं को सांस्कृतिक संगठन बताते हुए हिंदू समाज को संगठित करने और सामाजिक सेवा की बात करता है। इसलिए अमेरिकी आयोग की टिप्पणी ने एक स्थानीय कार्यक्रम को भारत अमेरिका संबंधों और धार्मिक स्वतंत्रता की बहस से भी जोड़ दिया है।

इसी बीच कार्यक्रम की मेजबानी करने वाले संगठन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग का सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' खाता निलंबित होने की खबर सामने आई है। यह घटनाक्रम कार्यक्रम से कुछ ही दिन पहले हुआ है और निलंबन का स्पष्ट कारण सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। इससे कार्यक्रम के प्रचार और डिजिटल संपर्क को लेकर भी सवाल उठे हैं। हालांकि, केवल किसी खाते के निलंबन को कार्यक्रम के विरुद्ध किसी सरकारी कार्रवाई के रूप में देखना उचित नहीं होगा, जब तक उसका कारण स्पष्ट न हो। उधर, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए सुरक्षा संबंधी सलाह जारी की है। लोगों से सतर्क रहने, टकराव से बचने और संयम बनाए रखने की अपील की गई है। दूसरी ओर हिंदू फॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और कुछ अंतरधार्मिक तथा नागरिक अधिकार संगठनों ने कार्यक्रम के विरोध की आवाज बुलंद की है। इसका अर्थ साफ है कि 29 अगस्त का आयोजन केवल भाषण का कार्यक्रम नहीं रह गया है, बल्कि उसके आसपास राजनीतिक और सामाजिक तनाव की आशंका भी बढ़ गई है। इस पूरे घटनाक्रम में जोहरान ममदानी की स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वह स्वयं भारतीय मूल के हैं और न्यूयॉर्क के पहले भारतीय अमेरिकी मेयर के रूप में उनकी पहचान इस विवाद को अतिरिक्त संवेदनशील बनाती है। उन्होंने आरएसएस की विचारधारा को लेकर अपनी असहमति स्पष्ट की है और कहा है कि वह उस रैली का समर्थन नहीं करते। लेकिन इसके साथ उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि निजी कार्यक्रम को रद्द करने के लिए शहर के अधिकार क्षेत्र का प्रश्न मौजूद है। यही लोकतंत्र की असली परीक्षा है।

~ मौलिक चिंतन ~

न्याय भगवान की मनमानी से नहीं, हमारे कर्मों के विधान से मिलता है।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

नेपाल जलप्रलय को समझें प्रकृति की चेतावनी

डॉ. हिदायत अहमद खान

नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा ने भारत को भी झकझोर कर रख दिया है। इस आपदा में जहां 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीयों समेत हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। इस विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर पूरी भयावहता के साथ रेखांकित कर दिया है। तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने देखते ही देखते बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को निगल लिया। यह आपदा उस खतरे की गंभीर चेतावनी को दशार्ता है जो हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते पर्यावरण, बढ़ती मानवीय गतिविधियां और अपर्याप्त आपदा तैयारी के कारण बढ़ रहा है। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि बड़ी संख्या में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के पर्यटकों तक, अनेक परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी सकुशल होंगे और बहुत जल्द अपने-अपने घरों को लौअ आएंगे। संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता लोगों का पता लगाना और भी कठिन हो गया है। संकट की इस घड़ी में सीमापार आपदा के लिए पहले से तैयार एक साझा तंत्र की जरूरत महसूस हो रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकंप के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि यह आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयी पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लंबे समय से दुनियां के तमाम शक्तिशाली देशों को चेताते चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसी आपदाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं विकास की आवश्यकता हैं, लेकिन विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा के बीच संतुलन न हो तो यही ढांचा आपदा के समय जोखिम बढ़ा सकता है। नेपाल में नौ बैंक शाखाओं के बह जाने और बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी बताती है कि आपदा का प्रभाव केवल आम आबादी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा भी इसकी चपेट में आता है।

भारत के लिए भी यह घटना महज पड़ोसी देश की त्रासदी नहीं है। नेपाल की नदियां भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक और अन्य नदी प्रणालियों का हिस्सा बनती हैं। इस बार नेपाल से आया तेज बहाव बिहार तक पहुंचा और वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर दबाव बढ़ा। बराज के सभी 36 गेट खोले गए। राहत की बात यह रही कि नारायणी नदी के विस्तृत बहाव क्षेत्र में पानी फैलने से बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया। लेकिन इस राहत को स्थायी सुरक्षा समझना भूल होगी। दरअसल, नेपाल और भारत के बीच नदियां सीमाओं को नहीं मानतीं। इसलिए बाढ़, भूस्खलन, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दोनों देशों को रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। यदि किसी नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक जलस्तर बढ़ता है, तो निचले इलाकों को समय रहते चेतावनी मिलनी चाहिए। चेतावनी और राहत के बीच जितना अधिक समय मिलेगा, उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं। इस आपदा ने संचार व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर किया है। पहाड़ी इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और बिजली व्यवस्था के ठप होने के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह बन जाती है कि किसे बचाया जाए और कहां लोग फंसे हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की योजनाओं में वैकल्पिक संचार व्यवस्था, स्थानीय बचाव दल, सामुदायिक प्रशिक्षण और आपातकालीन आश्रय स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने नेपाल के साथ एकजुटता दिखाई है और राहत सामग्री भेजी है। यह मानवीय सहयोग दोनों देशों के संबंधों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मगर असली परीक्षा आपदा समाप्त होने के बाद शुरू होती है। पुनर्वास, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण और भविष्य के जोखिम को कम करना कहीं अधिक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। नेपाल का जलप्रलय हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का क्षेत्र नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है। विकास जरूरी है, पर्यटन जरूरी है और ऊर्जा परियोजनाएं भी जरूरी हैं, लेकिन इनके लिए प्रकृति की सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुल, सड़क और परियोजना के साथ यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आपदा की स्थिति में उसका जोखिम कितना है। प्रकृति को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

योगेश कुमार गोयल

रिश्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन...

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मयार्दा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में ह्यगुरु महापूर्णिमाह्न, दक्षिण भारत में ह्यनारियल पूर्णिमाह्न तथा नेपाल में इसे ह्यजनेऊ पूर्णिमाह्न के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़ भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स,

स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है।

इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निर्देशों पर नहीं चलती।

भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में। इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा।

मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।

बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।
~~~~~~~~~

रक्षाबन्धन एक हिन्दू त्यौहार है जो प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण (सावन) में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी (सावनी) या सलूनो भी कहते हैं। रक्षाबन्धन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्व है। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे, तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बन्धियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। कभी कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बाँधी जाती है।

रक्षाबंधन अटूट विश्वास का बंधन

हम सभी सामाजिक प्राणी है, जो एक-दूसरे से जुड़े रहने के लिए स्वेच्छा से रिश्तों के बंधन में बंधते है। ये बंधन हमारी स्वतंत्रता का हनन करने वाले बंधन नहीं अपितु प्रेम के बंधन होते हैं, जिसे हम जिंदादिली से जीते और स्वीकारते हैं।
हमारे समाज में हर रिश्ते को कोई न कोई नाम दिया गया है। ठीक उसी तरह आदमी और औरत के भी कई रिश्ते हो सकते हैं, मगर उन रिश्तों में सबसे प्यार रिश्ता भाई-बहन का रिश्ता होता है। यह रिश्ता हर रिश्ते से मीठा और प्यारा रिश्ता होता है क्योंकि इस रिश्ते में मिठास भरता है भाई-बहन का एक-दूसरे के प्रति प्रेम व विश्वास। यह विश्वास प्रतीक रूप में भले ही रेशम की कच्ची डोर से बँधा होता है परंतु दोनों के मन की भावनाएँ प्रेम की एक पक्की डोर से बँधी रहती है, जो रिश्तों की हर डोर से मजबूत डोर होती है। यही प्रेम रक्षाबंधन के दिन भाई को अपनी लाड़ली बहन के पास खीच लाता है। रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं बल्कि हमारी परंपराओं का प्रतीक है, जो आज भी हमें अपने परिवार व संस्कारों से जोड़े रखे हैं। रक्षाबंधन बहन की रक्षा की प्रतिबद्धता का दिन है, जिसमें भाई हर दुख-तकलीफ में अपनी बहन का साथ निभाने का वचन देता है। यही वह वचन है, जो आज के दौर में भी भाई-बहन को विश्वास के बँधन से जोड़े हुए है।
यही वह त्योहार है, जिसे बहन अपने घर अर्थात अपने मायके में मनाती है। तभी तो हर रक्षाबंधन पर बहन जितनी बेसब्री से अपने भाई के आने का इंतजार करती है उतनी ही शिद्दत से भाई भी अपनी बहन से मिलकर उसका हालचाल जानने को उसके पास खिंचा चला आता है और भाई और बहन का मिलन होता है, तब सारे गिले-शिकवे दूर होकर माहौल में बस हँसी-ठिठौली के स्वर ही गुँजायमान होते हैं, जो खुशियों का पर्याय होते हैं। आप भी इस त्योहार को प्यार के साथ बनाएँ तथा इस दिन अपनी बहन को उसकी खुशियाँ उपहारस्वरूप दें। याद रखें यह रिश्ता, जितना मजबूत और प्यारा रिश्ता है उतना ही कमजोर भी इसलिए रिश्ते की इस डोर को सदैव मजबूती से थामे रखें।

सात वचन से बँधी सात राखियाँ

यह भारत में ही संभव है कि एक महीन रेशम डोरी से दिल की अनंत गहराइयों में छुपा प्यार अभिव्यक्त हो सकें। भाई और बहन के अनमोल रिश्ते को समर्पित यह त्योहार मन में उमंग की सुरीली घंटियाँ बजा देता है। यूँ भी सावन मास सौन्दर्य का भीना मौसम माना गया है। यह मौसम साज-श्रृंगार और प्यार-अनुराग की कलाभिव्यक्तियों से आपुरित होता है। यही वजह है कि कलाई पर बँधने वाली राखी का सौन्दर्य रिश्ते की सादगी पर जीत जाता है। इस मोहक मनभावन त्योहार पर इस बार बाँधें कुछ ऐसी राखियों को जो हर भाई-बहन के जीवन जीने का अंदाज बदल दें - यह राखी है प्यार, विश्वास, साथ, मुस्कान, सम्मान, स्वतंत्रता और क्षमा की।

प्यार की राखी- यह राखी सलमा-सितारें और मोतियों से नहीं सजी है। यह राखी, अपने मन के आँगन में खिलने वाले प्यार के मासूम फूल से बनी है। इसे बाँधने और बँधाने की यही शर्त है कि बहन और भाई दोनों यह कसम खाए कि उनका प्यार कभी नहीं बदलेगा। हर मौसम, हर समय, हर परिस्थिति में उनके प्यार का फूल तरोताजा रहेगा। चाहे बहन पराए आँगन की तुलसी बन जाए, चाहे रूनझुन पायल छनकाती दुल्हन, भाई ले आए। रिश्तों का सौन्दर्य और सादगी बनी रहे, बची रहे। दिल की गहराई में बसा प्यार निरंतर बढ़ता रहे, फलता-फूलता रहे। यह राखी इस मंगल त्योहार पर यही कसम चाहती है। दोनों के बीच महकते प्यार का फूल पैसों की तपिश से कभी ना मुरझा पाए।

विश्वास की राखी - यह राखी बड़ी महीन लेकिन मजबूत डोरी से बनी है। इस राखी की यही शर्त है कि विश्वास की रेशम डोर दुनिया के ताने-बाने में कभी ना उलझ पाए। यानी हर हाल में भाई का बहन के प्रति और बहन का भाई के प्रति विश्वास बरकरार रहे। इसे यूँ भी कहा जा सकता है कि दोनों एक-दूसरे के प्रति विश्वास को टूटने नहीं देंगे। अकारण एकदूजे पर अविश्वास की काली परत चढ़ने नहीं देंगे। अगर किसी एक से विश्वास की दीवार चटकती भी है तो उसकी परिस्थिति को उदार मन से समझने का प्रयास करेंगे। इस राखी को बाँधते हुए कसम लें कि एकदूजे का विश्वास बनेंगेऔर उसे संजोए रखेंगे।

साथ की राखी - चाहे सारी दुनिया तुम्हारे विरुद्ध हो तुम्हारा भाई हमेशा तुम्हारे साथ है। यह अटूट सहारा देते शब्द सच्चे मन से हर बहन के अन्तर्मन में बैठे होने चाहिए। उसका यह भाव कि मेरा भाई है ना, और भाई का यह अहसास कि मेरी बहन सब संभाल लेगी,हर हाल में कायम रहे यही इस राखी को बाँधने की कोमल शर्त है। इस दुनिया में माँ और पिता के बाद भाई ही तो सच्चा निस्वार्थ साथ दे सकता है। देश का हर भाई अपनी बहन के साथ रहे एक अहसास बन कर, एक विश्वास बन कर तभी इस राखी की सार्थकता है।

रेशम डोरी में गूँथा प्यार

- छत की सीढ़ियों पर रूठकर बैठी एक नन्ही बहना। उसके इस रूठने से सबसे ज्यादा व्यथित अगर कोई है तो वह है उसका भाई। भोजन की थाली लेकर उसके पास जाने वाला पहला व्यक्ति होता है, उसका भाई।
- स्कूल से अपनी बहन को लेकर आता एक छोटा-सा भाई। भाई के छोटे लेकिन सुरक्षित हाथों में जब बहन का कोमल हाथ आता है तब देखने योग्य होता है, भाई के चेहरे से झलकता दायित्व बोध, उठते हुए कदमों में बरती जाने वाली सजगता और कच्ची-कच्ची परेशान आँखें। घर पर जो बहन भाई से ठुनकी-ठुनकी रहती होगी, बीच राह पर वही भोली-सी हिरनी हो जाती है।
- बच्चों का एक झुंड। खेल में मशगूल। तभी सबको लगी प्यास। भाई ने हमेशा की तरह छोटी बहन को आदेश दिया। नन्हे हाथों में जग और गिलास पकड़े टेढ़ी-मेढ़ी चाल से धीरे-धीरे आती है बहन और...और... धड़ाम!! सबके सामने भाई को मिली फटकार। बहन ने कोहनी छुपाते हुए, आँसुओं को रोकते हुए कहा - भाई ने नहीं भेजा था, मैं खुद गई थी पानी लेने।
- कक्षा पहली की नन्ही छात्रा अनुष्का को प्रिंसिपल ने ऑफिस में बुलाकर कहा - तुम्हारा छोटा भाई आशु क्लास में सो गया है उसे अपनी क्लास में ले जाओ...! अनुष्का की गोद में सोया है आशू और वह बोर्ड पर से सवाल उतार रही है।
- दूसरी की छात्रा श्‍रुति रोते हुए अपने बड़े भाई श्रेयस के पास पहुँची। कक्षा के बच्चे उसके नाम का मजाक उड़ाते हैं। उसे सूती कपड़ा कहते हैं। तीसरी कक्षा के बहादुर भाई ने कहा - छुट्टी के बाद सबके नाम बताना, सबको ठीक कर दूँगा। श्‍रुति आश्वस्त है अब। छुट्टी होने पर श्रेयस ने रोक लिया सब चिढ़ाने वाले बच्चों को। पहले तो बस्ते से धमाधम मारा-पीटी, फिर सब पर स्याही छिड़ककर बहन का हाथ पकड़कर भाग आया भाई। बहन खुश है, भाई ने बदला ले लिया। कल की कल देखेंगे।
- पहली बार कॉलेज जा रही थी बहन। भाई ने बाइक पर बैठाया और रास्ते में कहा - तू कब बड़ी हो गई मुझे तो वहीं दो चोटी वाली बस्ता घसीटकर चलने वाली और चॉक खाने वाली याद है। इतनी जल्दी तू बड़ी हो गई, पता ही नहीं चला।
- बहन बिदा हो रही थी लेकिन भाई धर्मशाला जल्दी खाली करने की चिंता में व्यंजनों के कढ़ाव - तपेले आदि उठा-उठा कर रख रहा था। बहन ने सुबकते हुए भाई को याद किया। भाई ने सब्जी-दाल से सने हाथों से ही बहन को गले लगा लिया।

बहन ने अपनी कीमती साड़ी को आज तक ड्रायक्लीन नहीं करवाया। वह कहती है, जब भी उस साड़ी पर सब्जी के धब्बे देखती हूँ। भाई का वह अस्त-व्यस्त रूप याद आ जाता है , मेरी शादी में कितना काम किया था भाई ने। भाई और बहन का रिश्ता मिश्री की तरह मीठा और मखमल की तरह मुलायम होता है। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के इसी पावन रिश्ते को समर्पित है। इसी त्योहार पर इस रिश्ते की मोहक अनुभूति को सघनता से अभिव्यक्त किया जाता है।

भारत में यदि आज भी संवेदना, अनुभूति, आत्मीयता, आस्था और अनुराग बरकरार है तो इसकी पृष्ठभूमि में इन त्योहारों का बहुत बड़ा योगदान है। जो लंबी डगर पर चिलचिलाती प्रचंड धूप में हरे-भरे वृक्ष के समान खड़े हैं। जिसकी घनी छाँव में कुछ लम्हें बैठकर व्यक्ति संघर्ष पथ पर उभर आए स्वेद बिंदुओं को सुखा सके और फिर एक शुभ मुस्कान को चेहरे पर सजाकर चल पड़े जिंदगी की कठिन राहों पर, जूझने के लिए।

रक्षाबंधन के शुभ पर्व पर बहनें अपने भाई से यह वचन चाहती हैं कि आने वाले दिनों में किसी बहन के तन से वस्त्र न खींचा जाए फिर कोई बहन दहेज के लिए जिंदा न जलाई जाए, फिर किसी बहन का अपहरण ना हो और फिर किसी बहन के चेहरे पर तेजाब न फेंका जाए। यह त्योहार तभी सही मायनों में खूबसूरत होगा जब बहन का सम्मान और भाई का चरित्र दोनों कायम रहे। यह रेशमी धागा सिर्फ धागा नहीं है। राखी की इस महीन डोरी में विश्वास, सहारा और प्यार गुंफित हैं और कलाई पर बँधकर यह डोरी प्रतिदान में भी यही तीन अनुभूतियाँ चाहती हैं। पैसा, उपहार, आभूषण, कपड़े तो कभी भी, किसी भी समय लिए-दिए जा सकते हैं लेकिन इन तीन मनोभावों के लेन-देन का तो यही एक पर्व है - रक्षाबंधन!

सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल

सोना 1,60,300 रुपए तो चांदी 2,41,306 प्रति किलोग्राम पहुंची

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर जोरदार उछाल देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 637 रुपये चढ़कर 1,60,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 1,668 रुपए महंगी होकर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं में मजबूती दर्ज की गई, जहां सोना 0.71 फीसदी बढ़कर 4,686 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.67 फीसदी चढ़कर 69 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। पिछले सत्र में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट झेलने के बाद, सोने में अब फिर से मजबूती लौटी है। बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श के बयान पर है। इसके साथ ही, अमेरिका में लगातार 65वें महीने 2 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई महंगाई दर और ब्याज दरों को लेकर मिलने वाले संकेत सोने की आगे की चाल तय करेंगे। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव (जैसे होर्मुज से जुड़ी घटना) की स्थिति में निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हैं, जिससे इसकी मांग बढ़ती है और कीमतों को सहारा मिलता है। हालांकि हाल की गिरावट के बावजूद, कई बाजार विश्लेषकों को सोने में आगे और तेजी की उम्मीद है। कुछ एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि इस साल सोने का भाव 5,000 डॉलर प्रति औंस का स्तर पार कर सकता है। पिछले साल सोने में 75 फीसदी से ज्यादा की जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी, जो 1979 के बाद सबसे मजबूत तेजी वाला दौर था। वहीं चांदी की कीमतों में सोने के मुकाबले कहीं अधिक तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मजबूत मांग और करेंसी में बदलाव के कारण चांदी, जो 2023-24 में लगभग 78,600 रुपए प्रति किलोग्राम थी, वह अब बढ़कर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

पुष्प ब्रांड को सेबी की हरी झंडी, जल्द आएगा आईपीओ

इंदौर से शुरू हुई कंपनी मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की ओएफएस लाएगी

नई दिल्ली ।

पैकेज्ड खाद्य कंपनी पुष्प ब्रांड (इंडिया) को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। यह आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा, जिसकी जानकारी बाजार नियामक ने बृहस्पतिवार को दी। इंदौर में 1974 में स्थापित, पुष्प ब्रांड ने एक क्षेत्रीय मसाला कारोबार से बढ़कर अब पुष्प और मुनीमजी ब्रांड के तहत काम करने वाली एक व्यापक पैकेड खाद्य कंपनी का रूप ले लिया है। कंपनी शुद्ध एवं मिश्रित मसाले, साबुत मसाले, हींग और अन्य उत्पाद पेश करती है, जिनकी 31 मार्च, 2026 तक 312 श्रेणियां थीं। सेबी को जून में दस्तावेज दाखिल करने के बाद 27 अगस्त को मिली इस मंजूरी के बाद, कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पुष्प कड़क चाय पेश करने की भी योजना बना रही है। वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक, पुष्प ब्रांड का वितरण नेटवर्क 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 1,016 वितरकों और 3.68 लाख से अधिक खुदरा बिक्री केंद्रों तक फैला हुआ था।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

मुंबई । एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में गुरुवार को शुरुआती बढ़त के बाद अब मिला-जुला कारोबार देखने को मिल रहा है। इससे पहले एने विडिया के मजबूत बिक्री अनुमान से निवेशकों का भरोसा बढ़ा था। जापान का`` निक्कई 225 करीब 0.13 फीसदी गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.37 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार भी बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका में महंगाई से जुड़े एक प्रमुख संकेतक के फेडरल रिजर्व के लक्ष्य से ऊपर बने रहने के बाद इस साल ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका बढ़ी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 539, निफ्टी 116 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है।

वहीं पश्चिम एशिया में जारी तनावों से भी बाजार पर दबाव आया जिससे भी उसमें गिरावट आई। आज कारोबार के दौरान धातु , पीएसयू बैंकों और सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 539.35 अंक फिसलकर 76,933.59 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक गिरकर 24,090.85 पर आ गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में भी गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा निफ्टी सीमेंट , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में गिरावट रही जबकि निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी प्राइवेट बैंक में बढ़त रही।

आज अदाणी इंटरप्राइजेस, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, सिप्ला और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई और ये शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि हिंडाल्को, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक शुरुआती कारोबार में लाल निशान पर खुले, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। ई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 45.17 अंक टूटकर 77,422.70 अंक पर खुला जबकि निफ्टी भी 6.40 अंक फिसलकर 24,202.45 अंक पर खुला वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा; दक्षिण कोरिया, जापान और चीन बढ़त में थे, जबकि हांगकांग गिरावट में। अमेरिकी बाजार बुधवार को निचले स्तर पर बंद हुए थे। वहीं पिछले सत्र में घरेलू बाजार भी गिरे थे, सेंसेक्स 183.15 अंक और निफ्टी 126.80 अंक टूटकर बंद हुए थे।

सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लाएगी 3,750 करोड़ का आईपीओ

स्वतंत्र बिजली उत्पादक कंपनी ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 3,750 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी इस पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और भविष्य के विस्तार के लिए करेगी। यह प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों का एक निर्गम होगा, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई हिस्सा शामिल नहीं है। सेबी में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, जुटाई गई राशि का एक बड़ा हिस्सा कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कुछ मौजूदा कर्जों के पुनर्भुगतान में इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य इस पूंजी जुटाने से अपने बही-खाते को मजबूत करना और नवीकरणीय ऊर्जा खंड में अपने विस्तार को गति देना है। सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा के पास 31 मार्च, 2026 तक 3.60 गीगावाट की परिचालन क्षमता है, जबकि 4.04 गीगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जो कंपनी की विकास क्षमता को दर्शाती हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

रुपया गुरुवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.51 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 95.31 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती नुकसान से उबरते हुए गुरुवार को सुबह के कारोबार में चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 95.52 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट है। हालांकि, घरेलू मुद्रा ने जल्द ही नुकसान की भरपाई की और चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा। रुपया मंगलवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.44 पर बंद हुआ था।

डीएचएल एक्सप्रेस के लिए भारत वैश्विक वृद्धि का इंजन

जीडीपी से डेढ़ गुना तेज रफ्तार का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

लॉजिस्टिक दिग्गज डीएचएल एक्सप्रेस भारत को अपने वैश्विक कारोबार के लिए वृद्धि का प्रमुख केंद्र मानती है। कंपनी ने घोषणा की है कि भारत में उसका कामकाज वैश्विक स्तर पर डीएचएल के अन्य परिचालनों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रहा है। रुपये में उतार-चढ़ाव के बावजूद, डीएचएल अगले दशक में देश में अपने 1 अरब यूरो के निवेश को बनाए रखने की योजना बना रही है, जो भारत के आर्थिक भविष्य में उसके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। डीएचएल एक्सप्रेस (दक्षिण एशिया) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि कंपनी का हमेशा से यह लक्ष्य रहा है कि वह भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में लगभग 1.5 गुना तेजी से बढ़े। उन्होंने कहा कि पिछले 5 से 10 वर्षों में कंपनी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) आम तौर पर इस जीडीपी बेंचमार्क से 1-2 फीसदी अधिक रही है। यह प्रदर्शन डीएचएल समूह के हालिया नतीजों में भी झलकता है, जहां जून 2026 को समाप्त तिमाही में समूह का परिचालन मुनाफा 30 फीसदी बढ़कर 1.9 अरब यूरो रहा। रुपये के मुकाबले डॉलर और यूरो में लगातार उतार-चढ़ाव कंपनी के लिए एक चुनौती रहा है। पिछले एक साल में डॉलर के मुकाबले रुपये में 8.2 फीसदी और हालिया पश्चिम एशिया संकट के बाद 4.65 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए, डीएचएल ने 1 अगस्त से करेंसी इफेक्ट्स इंडेक्स शुरू किया है। सुब्रमण्यन ने भारत के भविष्य पर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर देश की चर्चा बहुत सकारात्मक रूप से हो रही है। उन्होंने इंजीनियरिंग, विनिर्माण, वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में हो रहे निवेश को रेखांकित किया, जो डीएचएल के लॉजिस्टिक कारोबार के लिए महत्वपूर्ण विकास के अवसर पैदा करते हैं।

कच्चे तेल में नरमी, होर्मुज से राहत, रूस-यूक्रेन तनाव ने रोकी बड़ी गिरावट

ईरान-ओमान समझौता बना कीमतों पर दबाव का कारण

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में गुरुवार को हल्की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने के संकेत हैं। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते संघर्ष ने बड़ी गिरावट को सीमित कर दिया। डब्ल्यूआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के नीचे और ब्रेंट क्रूड 86.60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और ओमान के बीच प्रगति से तेल बाजार में उम्मीद बंधी है। दोनों देशों ने जहाजों की आवाजाही पर राजस्व-साझाकरण समझौते की पुष्टि की है, जिससे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से तेल आपूर्ति बेहतर होने की संभावना है। हालांकि ईरान ने तुरंत पूरी तरह से खुलने से इनकार किया, बाजार इसे तनाव कम होने का अहम संकेत मान रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान ने भी इन उम्मीदों को बल दिया, जिसमें उन्होंने मंगलवार को 1 करोड़ बैरल तेल के होर्मुज से निकलने की बात कही। सऊदी अरब भी फारस की खाड़ी के भीतर से तेल लोडिंग बढ़ाने की संभावना तलाश रहा है, जो बदलते हालात के अनुरूप है। इसके विपरीत रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ता तनाव कच्चे तेल की कीमतों को ज्यादा गिरने से रोक रहा है।

यूक्रेन द्वारा रूसी रिफाइनरियों और बंदरगाहों पर लगातार हमलों से रूस के ईंधन उत्पादन और निर्यात पर गंभीर असर पड़ने का खतरा है। यदि रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में बड़ी रुकावट आती है, तो वैश्विक बाजार में आपूर्ति फिर से घट सकती है।

इसी भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण कीमतें अस्थिर रहीं, जहाँ शुरुआत में रूस-यूक्रेन संघर्ष की खबरों ने कीमतें बढ़ाईं, लेकिन होर्मुज की खबर से तेजी थम गई।

जुनिपर ग्रीन एनर्जी और एसजेवीएन के बीच 50 मेगावॉट एफडीआरई समझौता

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने एसजेवीएन लिमिटेड के साथ 50 मेगावॉट की स्थिर एवं प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) परियोजना के लिए 25 साल का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। इस करार से देश में नवीकरणीय ऊर्जा की विश्वसनीय आपूर्ति को नई गति मिलेगी। यह समझौता 4.25 रुपए प्रति यूनिट की दर से हुआ है और 25 वर्षों तक प्रभावी रहेगा। इस परियोजना में सौर ऊर्जा को बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीइएसएस) के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि पीक आवर्स में मासिक आधार पर 90 प्रतिशत उपलब्धता के साथ स्थिर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक अे धिकारी ने बताया कि यह पीपीए कंपनी की एफडीआरई परियोजनाओं का बड़ा खंड बनाने की रणनीति का एक अहम हिस्सा है और एसजेवीएन के साथ साझेदारी को और मजबूत करता है। इस नए समझौते के साथ, जुनिपर ग्रीन एनर्जी की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब बढ़कर 11,216 मेगावॉट हो गई है, जो इस क्षेत्र में उसकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फार्मा कंपनियों पर अनोखा संकट, कमाई बढ़ी पर मुनाफा घटा!

अमेरिका में रेव्लिमिड की कम बिक्री बनी वजह, डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसे दिग्गजों पर ज़्यादा असर

मुंबई ।

आमतौर पर किसी कंपनी की कमाई घटने के पीछे कमजोर बिक्री या बढ़ता खर्च होता है, लेकिन भारतीय दवा कंपनियों के साथ इस समय एक अजीब स्थिति बनी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उनकी कुल कमाई बढ़ी, कामकाजी मुनाफा भी सुधरा, लेकिन शुद्ध मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। इस अप्रत्याशित गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका में कैंसर की एक महत्वपूर्ण दवा, जेनेरिक रेव्लिमिड (लेनालिडोमाइड) की कम बिक्री और कीमतों में आई भारी गिरावट है। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी बड़ी कंपनियाँ इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसके दायरे में आने वाली दवा कंपनियों की कुल कमाई में 14.8 फीसदी की वृद्धि देखी गई और उनका कामकाजी मुनाफा भी 6.9 फीसदी बढ़ा। इसके बावजूद, इन कंपनियों का मुनाफा 4.1 फीसदी घट गया, जिसकी एक बड़ी वजह अमेरिका में जेनेरिक रेव्लिमिड की कम बिक्री और कीमतों में आई तेज गिरावट रही।

रेव्लिमिड, जिसका मूल नाम लेनालिडोमाइड है, कैंसर, खासकर मल्टीपल मायलोमा के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एक महत्वपूर्ण दवा है।

एक समय में भारतीय फार्मा कंपनियों के लिए कमाई का बड़ा जरिया बनी यह दवा अब उनके मुनाफे पर भारी पड़ रही है। पेटेंट विवादों के बाद हुए समझौतों के तहत, भारतीय जेनेरिक कंपनियों को मार्च 2022 के बाद अमेरिका में सीमित मात्रा में जेनेरिक लेनालिडोमाइड बेचने की अनुमति मिली थी। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी कंपनियों के लिए जनवरी 2026 तक बिक्री की मात्रा पर सीमाएं तय थीं।

बाजार में सीमित प्रतिस्पर्धा के कारण रेव्लिमिड की कीमतें ऊंची बनी रहीं, जिससे भारतीय कंपनियों ने इस दवा से शानदार कमाई की। लेकिन जनवरी 2026 के करीब आते ही तस्वीर बदल गई। जैसे-जैसे बिक्री की मात्रा पर लगी सीमाएं खत्म हुईं और अधिक जेनेरिक कंपनियां बाजार में आईं, प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ी। ज्यादा आपूर्ति और प्रतिस्पर्धी माहौल के चलते रेव्लिमिड के जेनेरिक वर्जन की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इसका सीधा असर कंपनियों के मुनाफे पर पड़ा। डॉ. रेड्डीज के मार्च तिमाही के नतीजों में भी लेनालिडोमाइड की कीमतों में आई गिरावट का साफ असर दिखा था।

आईपीओ बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती के बाद तेज उछाल

अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती अब खत्म होती दिख रही है। प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बाजार में एक बार फिर तेजी का माहौल है। अगस्त महीने में कंपनियों के सार्वजनिक निर्गमों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और आने वाले समय में एनएसई, फोनपे, जियो प्लेटफॉर्म्स, ज़ेप्टो और ओयो जैसी बड़ी कंपनियों के आईपीओ आने की उम्मीद है, जिससे निवेशकों में उत्साह है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि वैश्विक और भू-राजनीतिक मोर्चे पर कोई बड़ा झटका नहीं लगता है, तो 2026 की दूसरी छमाही में भी आईपीओ बाजार की यह रफ्तार बनी रह सकती है। पूंजी बाजार में संबंधित एक डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद है, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी। इसके विपरीत साल के पहले छह महीनों में आईपीओ लाने की गति काफी धीमी रही थी, और मई में तो एक भी आईपीओ जारी नहीं हुआ था। एक ब्रोकर कंपनी के मुतो बिक पहली छमाही में बाजार की गिरावट, शुल्क को लेकर अनिश्चितता और वैश्विक परिस्थितियों ने कंपनियों की आईपीओ लाने की क्षमता और निवेशकों की भावना (सेंटिमेंट) दोनों को प्रभावित किया। अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चिंताएं, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और कंपनियों के वित्तीय नतीजों को लेकर अनिश्चितता ने उस दौरान बाजार पर दबाव बनाया था। आईपीओ के लिए कंपनियों की एक लंबी कतार लगी हुई है। पूंजी बाजार में संबंधित एक डेटाबेस के आंकड़ों के मुताबिक, कुल 239 कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी में हैं।

इनमें से 164 कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ की मंजूरी मिल चुकी है, जिनके जरिए करीब 2.65 लाख करोड़ रुपये जुटाए जाने का अनुमान है। वहीं, 75 कंपनियों ने सेबी के पास मसौदा पत्र (ड्राफ्ट पेपर) दाखिल किए हैं और मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जिनके जरिए लगभग 2.01 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स शुरू किया

अब कंपनियां भविष्य की बिजली लागत का करेंगी बेहतर प्रबंधन

नई दिल्ली

भारत के कमोडिटी बाजार में अब एक नया अध्याय जुड़ गया है। सोना, चांदी और कच्चे तेल की तर्ज पर अब देश में बिजली की कीमतों पर भी वायदा कारोबार संभव हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स की शुरुआत की है, जिससे बिजली उत्पादक और उपभोक्ता कंपनियां भविष्य की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिमों का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगी। यह पहल बिजली को सिर्फ एक उपभोग्य वस्तु नहीं, बल्कि एक ट्रेडबल एसेट बनाती है। बिजली अन्य कमोडिटी से काफी अलग है क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर आसानी से स्टोर नहीं किया जा सकता। जितनी बिजली बनती है, उसका लगभग तुरंत उपयोग होना जरूरी है। यही कारण है कि मांग और आपूर्ति में मामूली अंतर भी कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव ला सकता है। मौसम, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा का उत्पादन, कोयले और गैस की उपलब्धता, बिजली प्लांट का बंद होना और ट्रांसमिशन से जुड़ी दिक्कतें जैसे कई कारक बिजली की कीमतों पर सीधा असर डालते हैं। भारत में अधिकांश बिजली (करीब 85-88 फीसदी) लंबे समय के खरीद समझौतों के तहत बेची जाती है, जबकि शेष 12-15 फीसदी बिजली शॉर्ट-टर्म मार्केट में पावर एक्सचेंजों पर ट्रेड होती है। यहीं मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें तय होती हैं, जो वायदा बाजार के लिए संदर्भ बिंदु बनती हैं। इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स में बिजली की कोई वास्तविक डिलीवरी नहीं होती; इनका निपटान नकद में किया जाता है। सौदों का निपटान भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) के डे-अहेड मार्केट की औसत मासिक कीमत के आधार पर होता है। एमसीएक्स पर एक ट्रेडिंग यूनिट 50 मेगावाट घंटा है और मौजूदा महीने के साथ अगले तीन महीनों तक के सौदे उपलब्ध होते हैं। इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स का सबसे बड़ा फायदा उन उद्योगों और कंपनियों को मिलेगा जिनकी परिचालन लागत में बिजली का बड़ा हिस्सा होता है, जैसे बड़ी फैक्ट्रियां, बिजली उत्पादक और वितरक कंपनियां। वे भविष्य में बिजली की कीमतों में संभावित वृद्धि या गिरावट के जोखिम को कम करने के लिए इन सौदों का उपयोग कर सकते हैं।

1 सितंबर से महंगी होंगी टाटा और हुंडई की गाड़ियां

इनपुट लागत में बढ़ोतरी बनी वजह, पेट्रोल-डीजल से लेकर ईवी तक सभी सेगमेंट प्रभावित

नई दिल्ली ।

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही आम आदमी से जुड़े कई नियमों में बदलाव हुए हैं, जिनमें से एक बड़ा झटका कार प्रेमियों को लगा है। टाटा मोटर्स और हुंडई ने अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है, जिसका सीधा असर नई गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के बजट पर पड़ेगा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने 1 सितंबर से अपने पूरे कार और एसयूवी पोर्टफोलियो की कीमतों में 25,000 रुपए तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि पेट्रोल, डीजल (आईसीई) और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स सभी सेगमेंट पर लागू होगी। कंपनी ने कीमतों में इस बढ़ोतरी के पीछे लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत का हवाला दिया है। यह चालू तिमाही में टाटा की दूसरी मूल्य वृद्धि है, इससे पहले जून में भी दाम बढ़ाए गए थे। वहीं, हुंडई मोटर इंडिया ने भी 19 अगस्त को घोषणा की थी कि वह सितंबर से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 1 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। हुंडई ने भी इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत के साथ-साथ जियोपॉलिटिकल और मैक्रो-इकोनॉमिक अनिश्चितताओं को इसका कारण बताया है। इससे पहले, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भी अगस्त में अपनी गाड़ियों की कीमतों में 30,000 रुपए तक की बढ़ोतरी कर चुकी है। लागत के बढ़ते दबाव के कारण ऑटोमोबाइल सेक्टर में कीमतों में वृद्धि का यह सिलसिला जारी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में सहवाग और द्रविड़ के बेटों का चयन

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। जूनियर पुरुष चयन समिति ने घरेलू दौरे के लिए टीमों की घोषणा कर दी है, जिसका कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने वाला है। जिसमें राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाने वाले तीन 50 ओवर के मैच शामिल हैं। इसके बाद राजकोट में 27 से 30 सितंबर तक और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम 'बी' ग्राउंड में 5 से 8 अक्टूबर तक खेले जाने वाले दो लाल गेंद के बहुदिवसीय मैच होंगे। 50 ओवर के मैच में उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी कप्तानी करेंगे, जबकि मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशबर्धन चौहान उनके उप-कप्तान होंगे। चौहान लाल गेंद वाले मैचों में कप्तानी संभालेंगे और रायचंदानी उनके उप-कप्तान होंगे। लेग स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है, लेकिन दोनों ही वनडे मैचों के लिए चुनी गई टीम में शामिल नहीं हैं। आर्यवीर फिलहाल 2026 दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेल रहे हैं और अब तक सिर्फ दो मैच ही खेल चुके हैं। वहीं, अन्वय ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम के लिए दो 50 ओवर के मैचों में 101 रन

बनाए। उस दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम 50 ओवर की सीरीज 2-1 से हार गई, लेकिन रेड बॉल सीरीज 1-0 से जीत ली। आर्यवीर के अलावा, मनल चौहान और चिगुरुपति वेंकट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर के मैचों में शामिल किया गया है, जबकि सागर विर्क, अनमोलजीत सिंह और ईशान सूद को टीम से बाहर रखा गया है। मल्टी-डे गेम्स टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज अभिप्रय बिस्वास (विकेटकीपर), इशान ओम, अयान अकरम, मोहित उलवा और आर्यन यादव को शामिल किया गया है, उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन संदेश सकपाल, हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, काव्या परेश पटेल और चिगुरुपति वेंकट को शामिल किया गया है। एकदिवसीय मैचों के लिए भारत की यू19 टीम में लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशबर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल है। बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-19 टीम में यशबर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय विश्वास (विकेटकीपर), रोहित यादव, इशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा और आर्यन यादव है।

भारत दौरे की वजह से न्यूजीलैंड में टिकटों की रिकॉर्ड मांग

क्राइस्टचर्च ,एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के इंटरनेशनल समर क्रिकेट ने रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत की है। क्रिकेट नेशन मेंबर्स की प्री-सेल के पहले 48 घंटों के अंदर 26,000 टिकट बिक गए। टिकटों की जबरदस्त मांग भारत दौरे की वजह से है। भारतीय टीम अक्टूबर में मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। इस दौरे पर 12 मैच खेले जाने हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क में व्हाइट-बॉल मैच शुरुआती बिक्री में सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा हैं। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की जबरदस्त मांग देखी गई है। 9,000 की क्षमता वाले इस वेन्यू पर 22 और 24 अक्टूबर को होने वाले शुरुआती दो टी20 के साथ-साथ 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले टूर के दूसरे और आखिरी टेस्ट के लिए भी टिकट बिक जाने की उम्मीद है। वेलिंगटन में भी टिकटों की बिक्री जोरों पर है। यहां तीसरा टी20 और दूसरा वनडे खेला जाना है। पहला टेस्ट, जो 19 नवंबर से शुरू होगा, बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग और कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि शुरुआती रिस्पॉन्स भारत के दौरे को लेकर उत्साह दिखाता है। शुरू से ही फैन्स के लिए हमारा संदेश यही रहा है कि वे कुछ भी मिस न करने के लिए तैयार रहें। पहले दो दिनों में टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री से यह साबित होता है कि बहुतों ने हमारी बात सुनी है। न्यूजीलैंड के लोगों के लिए यह एक बहुत कम मिलने वाला मौका है कि वे भारत से जुड़े क्रिकेट के खेल का जबरदस्त मजा लें और दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिकेट स्टार को खेलते हुए देखें।' उन्होंने कहा, 'हमने जानबूझकर टिकट की कीमतें पिछले सीजन जितनी ही रखी हैं, और हमारे क्रिकेट नेशन एक्सेस कोड का इस्तेमाल करके एक टिकट 30 डॉलर से कम में मिल रहा है। हमें खुशी है कि फैंस अपनी सीट पक्की करने के लिए जल्दी आ रहे हैं और जनरल पब्लिक सेल में अभी 11 दिन बाकी हैं। हमारा संदेश यही है कि मौका न चूकें। क्रिचली ने 'द फोर' और 'द सिक्स' ग्रुप टिकट पैकेज के साथ-साथ वेन्यू टिकट बंडल को भी हाईलाइट किया, जो उन सपोर्टर्स के लिए अतिरिक्त वैल्यू विकल्प है और जो कई मैच देखने का प्लान बना रहे हैं। जनरल पब्लिक सेल 7 सितंबर से शुरू होने वाली है। हालांकि, फैंस अभी भी क्रिकेट नेशन के लिए साइन अप करके एक्सक्लूसिव प्री-सेल का फायदा उठा सकते हैं, जो टिकटों पर 15 प्रतिशत का डिस्काउंट भी देता है।

सीपीएल 2026

टिम सिफर्ट का विस्फोटक शतक, सेंट लूसिया ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराया

त्रिनिदाद,एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 17वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हरा दिया। सेंट लूसिया की जीत में पारी की शुरुआत करने आए विस्फोटक बल्लेबाज टिम सिफर्ट के विस्फोटक शतक की अहम भूमिका रही। ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में त्रिनबागो नाइट राइडर्स को जीत के लिए 212 रन का विशाल लक्ष्य मिला था, लेकिन बड़े लक्ष्य के सामने टीम लड़खड़ा गई और 20 ओवर में 6 विकेट पर 175 रन बना सकी। त्रिनबागो के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए दिग्गज ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड ने विस्फोटक तूफानी अर्धशतक लगाया, लेकिन उसका फायदा टीम को नहीं हुआ। पोलार्ड ने 26 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 65 रन की पारी खेली। इसके अलावा पारी की शुरुआत करने आए कोलिन मुनरो ने 35 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। सुनील नरेन ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाए। कप्तान निकोलस पूरन (0), मैथ्यू ब्रिट्जके (0) और मैथ्यू ट्रॉम्प की 26 गेंदों पर खेली गई 15 रनों की पारी त्रिनबागो की हार का मुख्य कारण रही। सेंट लूसिया किंग्स के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए।

मुचोवा-मेंसिक ने बेनसिक-कोबोली की जोड़ी को हराकर खिताब जीता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। जैकब मेंसिक और कैरोलिना मुचोवा ने गुरुवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए फाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक को हराकर यूएस ओपन 2026 का मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। चेक जोड़ी ने एक टीम के तौर पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता, उन्होंने इटैलियन-स्विस जोड़ी को एक घंटे, 13 मिनट के मुकाबले में 6-3, 1-6, (10-6) से हराया। मेंसिक और मुचोवा ने अच्छी शुरुआत की, अपनी सर्व बनाए रखते हुए 2-1 की बढ़त बनाई, फिर चौथे गेम में बेनसिक और कोबोली की सर्विस तोड़ी, जिसमें स्विस खिलाड़ी ने वाइड शॉट मारा। बेनसिक और कोबोली ने छठे गेम में लव पर पकड़ बनाए रखते हुए जोरदार वापसी की, लेकिन ब्रेक नहीं ले सके और चेक जोड़ी ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में बेनसिक और कोबोली ने ब्रेक वापस ले लिया, जब बेनसिक ने फोरहैंड रिटर्न विनर मारा, और 3-1 की बढ़त बना ली। उनकी शानदार वापसी तब जारी रही जब कोबोली ने अपनी सर्व को मजबूत किया, इससे पहले कि मेंसिक की सर्विस टूट गई। बेनसिक ने दूसरे सेट के लिए सर्व किया और इसे 6-1 से जीत लिया। यह टाईब्रेक तक गया, लेकिन चेक जोड़ी ने अपने विरोधियों को दूर रखने के लिए काफी कुछ किया।

वे 9-5 से आगे थे, इससे पहले कि मेंसिक ने टाईब्रेक जीतने और यूएस ओपन का खिताब जीतने के लिए एक ऐस लगाया। दोनों इस गेम में सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुबलेव पर टाईब्रेक जीत के बाद आए थे। मैच के बाद मुचोवा ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिर में, मैचिंग आउटफिट ने हमारे लिए फर्क पैदा किया। मुझे सच में उम्मीद नहीं थी कि मैं आज रात यहां खड़ी रहूंगी। हम बस मजे करने और इस मिक्स्ड डबल्स का आनंद लेने आए थे। अब हम यहां खड़े हैं।' मेन्सिक ने इस बड़ी जीत पर कहा, 'मैं पहली बार यहां खड़ा हुआ हूं। टूर्नामेंट से पहले मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन यह बहुत मजेदार है। यह जीत अद्भुत है।'

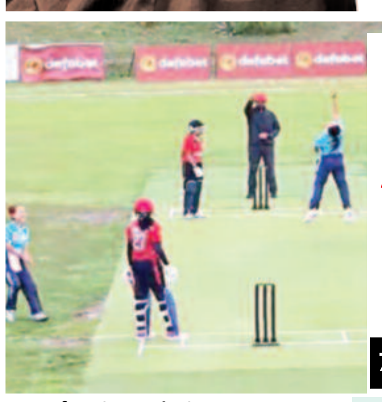

35 पर सारे प्लेयर ऑलआउट

7 खिलाड़ी जीरो पर निपटे...

क्रिकेट के मैदान में इस टीम का हो गया तमाशा

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी ऐसा प्रदर्शन देखने को मिलता है, जिस पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है. वुमेंस कॉन्टिनेंटल कप 2026 में ऑस्ट्रिया की महिला टीम के साथ कुछ ऐसा ही हुआ. ग्वेर्नसे के खिलाफ एक दिन पहले 85 रन की शानदार जीत दर्ज करने वाली ऑस्ट्रिया की टीम अगले ही मुकाबले में तुर्की के सामने सिर्फ 35 रन पर ऑलआउट हो गई. टीम के सात बल्लेबाजों का खाता तक नहीं खुला. बारिश की वजह से मुकाबला 10-10 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन मैच भी ज्यादा देर नहीं चला. तुर्की ने सिर्फ 82 गेंद में मुकाबला खत्म कर दिया और 27 गेंद बाकी रहते आठ विकेट से जीत दर्ज 3की. बुखारेस्ट के मोआरा व्लासी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में तुर्की की कप्तान कुब्रा कनावरची ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया.

20 रन की साझेदारी के बाद फिर शुरू हुआ विकेटों का सिलसिला

सलामी बल्लेबाज कोमाती रेड्डी और शीतल भारद्वाज ने पारी को संभालने की कोशिश की. दोनों ने चौथे विकेट के लिए 20 रन जोड़े. लेकिन तुर्की की कप्तान कनावरची ने रेड्डी को आउट कर यह साझेदारी तोड़ दी. रेड्डी ने 19 गेंदों पर आठ रन बनाए. इसके बाद तुर्की की गेंदबाजों ने ऑस्ट्रिया के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया. कनावरची ने मल्लिका पाथिरानाहेलागे को आउट किया, जबकि उसी ओवर में प्रविथा गणेशन भी पवेलियन लौट गई. अगले ओवर में हाजर सेलिक ने तो कहर ही बरपा दिया.

कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका

ऑस्ट्रिया की पारी 8.1 ओवर में 35 रन पर सिमट गई. शीतल भारद्वाज रन आउट होने वाली आखिरी बल्लेबाज रहीं. ऑस्ट्रिया की ओर से कोई भी बल्लेबाज 10 रन तक नहीं पहुंच सका. रेड्डी के आठ रन टीम की पारी का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा. यह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऑस्ट्रिया का अब तक का सबसे कम स्कोर भी बन गया. यानी एक दिन पहले ग्वेर्नसे के खिलाफ 85 रन से जीत दर्ज करने वाली टीम अगले ही मुकाबले में 35 रन पर ढेर हो गई.

तुर्की ने 5.3 ओवर में खत्म कर दिया मैच

तुर्की को जीत के लिए सिर्फ 36 रन का लक्ष्य मिला था. लक्ष्य छोटा था, लेकिन टीम को भी शुरुआत में झटका लगा. कप्तान कनावरची सिर्फ चार गेंद खेलकर बिना खाता खोले मल्लिका की गेंद पर आउट हो गई. इसके बाद मल्लिका ने अपनी अगली ओवर में दूसरे सलामी बल्लेबाज सुजान तुरान को भी पवेलियन भेज दिया. हालांकि इसके बाद जेहरा एंडर और मेलिके बायराम ने कोई और मौका नहीं दिया. दोनों ने मिलकर तुर्की को 5.3 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया. एंडर ने 12 गेंदों पर 13 रन बनाए, जबकि बायराम ने 11 रन की पारी खेली. बायराम ने अपनी पारी में मुकाबले का इकलौता छक्का भी लगाया. तुर्की ने आठ विकेट से मुकाबला अपने नाम किया और उसके पास 27 गेंदें बाकी थीं.

ऑस्ट्रिया की कप्तान प्रिया साबू पारी के पहले ही ओवर में एजगी नूर किलिक की गेंद पर बोल्ड हो गई. वह सिर्फ दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गई. दूसरे ओवर में आशी चोपला रन आउट हो गई. वह भी दो गेंद खेलकर डक पर आउट हुई. इसके बाद तीसरे ओवर में विकेटकीपर बल्लेबाज हादिया सिद्दीकी को हाजर सेलिक ने बोल्ड कर दिया.

कोलंबो टेस्ट

सोनल दिनुशा ने रचा इतिहास, भारत के खिलाफ ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले श्रीलंकाई बने

कोलंबो,एजेंसी। शानदार फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के सोनल दिनुशा ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान दूसरी इनिंग में अर्धशतक लगाते हुए बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। सोनल दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान सभी चार पारियों में 50 से ज्यादा रन बनाने वाले श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं इससे भी बड़ी बात यह है कि वह भारत के खिलाफ ऐसा करने वाले पहले श्रीलंकाई हैं। इससे पहले श्रीलंका के कुमार संगकारा और दिमुथ करुणारत्ने ने यह उपलब्धि हासिल की है। लेकिन भारत के खिलाफ यह पहला मौका है। संगकारा ने दो बार दो मैचों की टेस्ट सीरीज में यह रिकॉर्ड बनाया है। संगकारा ने बांग्लादेश के खिलाफ 2013 और फिर इंग्लैंड के खिलाफ उसी के घर में 2014 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 4 बार 50 प्लस स्कोर बनाया था। करुणारत्ने ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब इस लिस्ट में सोनल का नाम शामिल हो गया है जिन्होंने भारत के खिलाफ ऐसा किया।

श्रीलंका ने हारते मैच में पलटी बाजी, कोलंबो टेस्ट में भारत ड्रॉ के लिए मजबूर

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले गए सीरीज का दूसरा मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ है। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेले गए इस मैच में टीम इंडिया दूसरी पारी में श्रीलंका को ऑलआउट नहीं कर पाई और यह मैच ड्रॉ पर छूटा। इसी के साथ भारतीय टीम ने सीरीज को 1-0 से जीत लिया।

2026 के बाद क्रिकेट को कहेंगे अलविदा

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान लेंगे संन्यास

नई दिल्ली,एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने 2026 सीजन के अंत में सभी तरह के पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। 39 वर्षीय एल्गर ने परिवार को अधिक समय देने को अपने फैसले की मुख्य वजह बताया और दो दशक से ज्यादा लंबे करियर को अलविदा कहने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अनुभवी सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर ने क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। 39 वर्षीय एल्गर 2026 सीजन के अंत में पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे। इसके साथ ही दो दशक से अधिक लंबे उनके शानदार क्रिकेट करियर का अंत हो जाएगा।

अब परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं

अपने संन्यास के फैसले पर एल्गर ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब मेरे लिए सही समय है। मैं अब 39 साल का हूं और घर पर बहुत कुछ चल रहा है। मेरे बच्चे तेजी से बड़े हो रहे हैं। मैं अब अपने परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के लिए 12 साल खेलना और फिर टीम की कप्तानी करना उनके करियर के सबसे गौरवपूर्ण पलों में रहा। एल्गर ने कहा, 'अगर मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखता हूं तो शायद बहुत कम लोगों ने सोचा होगा कि मेरा क्रिकेट करियर इतना लंबा चलेगा। दो दशक से ज्यादा का करियर होना मेरे लिए बेहद खास है।'

86 टेस्ट में बनाए 5347 रन

डीन एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 86 टेस्ट मैच खेले और 37.92 की औसत से 5347 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 14 शतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा, जो उन्होंने 2017 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी भी 18 टेस्ट मैचों में की। उन्होंने जनवरी 2024 में भारत के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में आखिरी बार प्रोटियाज टीम की कप्तानी की थी। उस मुकाबले में नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा चोटिल होने के कारण टीम का हिस्सा नहीं थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 3991

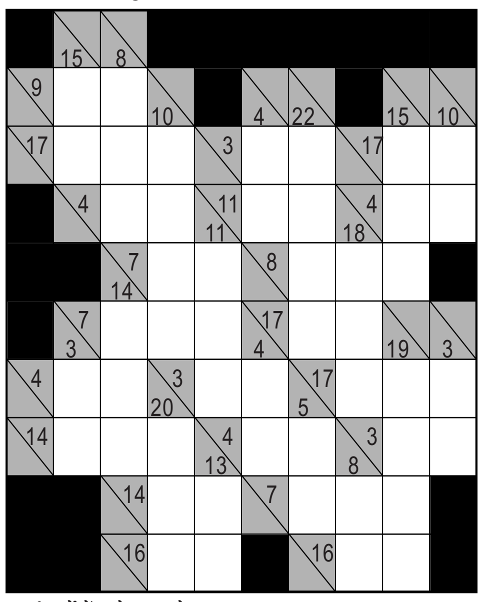

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11 → 1 2 3 5
7 ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3990 का हल

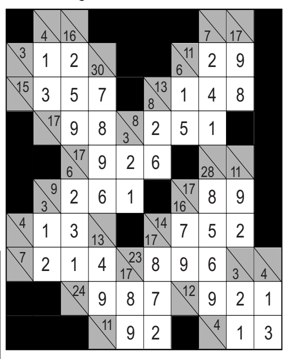

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला, उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा, 'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

□ □ □

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

□ □ □

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली, 'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला, 'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3991

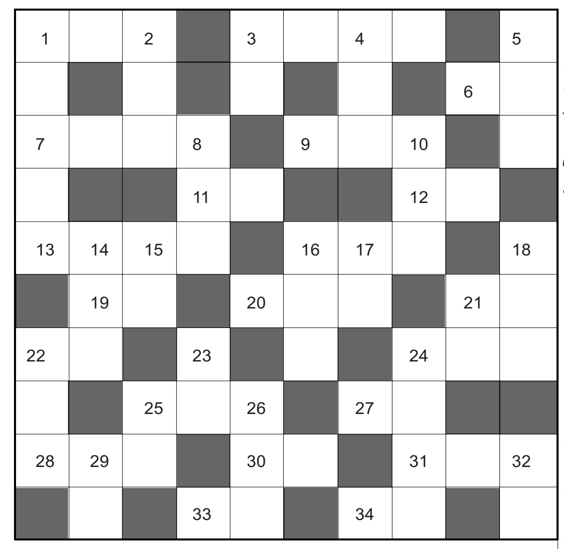

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3990

सूडोकु -3991

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3990 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 3991

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -3990 का हल

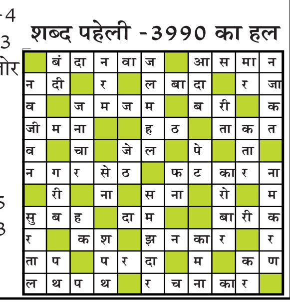

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे और नुकसान

जिम हो या फिर स्पा बिना स्टीम बाथ और सॉना बाथ के अधूरे हैं। ऐसा माना जाता है कि स्टीम बाथ का इतिहास प्राचीन रोमन सभ्यता से जुड़ा हुआ है, जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। प्राचीन काल में रोमन वासियों ने कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस तकनीक को ईजाद किया था।

स्टीम/सॉना बाथ क्या है?

स्टीम बाथ, जैसा की नाम से पता चल रहा है कि भाप के जरिए स्नान करना। यह एक प्रकार का खास स्नान है, जिसमें पानी की जगह पानी की भाप से नहाया जाता है। इसमें सबसे पहले एक कमरे को भाप से लगभग 110 से 114 डिग्री फेरेनहाइट तापमान पर किया जाता है। लोग इस भाप वाले कमरे में कुछ समय के लिए रुक कर भाप के माध्यम से स्नान करते हैं, अर्थात पूरे शरीर की भाप से सिकाई की जाती है। इसलिए, इसे स्टीम बाथ कहते हैं। वहीं, सॉना बाथ में कमरे का तापमान 80 से 90 डिग्री सेल्सियस तक होता है, जिससे पसीने के माध्यम से हानिकारक पदार्थ शरीर से निकल जाते हैं। इसे 5 से लेकर 20 मिनट तक 1 से 3 बार दोहराया जा सकता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे

जो लोग स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेते हैं, उन्हें भी नहीं मालूम होगा कि वो कितने फायदों का लाभ ले रहे हैं। यहां हम स्टीम बाथ और सॉना बाथ कुछ प्रमुख फायदों का जिक्र कर रहे हैं।

वजन कम करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

क्या आप सोच सकते हैं कि नहाने से वजन कम हो सकता है। नहीं न, तो हम आपको बता दें कि स्टीम या सॉना बाथ लेने से आप अपना वजन कम कर सकते हैं। यह अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में आपकी मदद करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती हैं। आप सॉना बाथ के लगभग 30 मिनट के सेशन में लगभग 600 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं। कैलोरी बर्न होने से आपके शरीर की अतिरिक्तचर्बी कम हो जाती है और आप अपने वजन में कमी महसूस कर सकते हैं।

रक्त संचार के लिए सॉना बाथ के फायदे

रक्त संचार में सुधार के लिए सॉना या स्टीम बाथ आदर्श तरीके हो सकते हैं। दरअसल, जब आप स्टीम या सॉना बाथ लेने के लिए स्टीम बाथरूम में बैठते हैं, तो शरीर की रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं, जिससे रक्तचाप और पल्स रेट कम हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार में सुधार हो सकता है। हालांकि, इस पर अभी और शोध की आवश्यकता है ।

जोड़ों की अकड़न को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप जिम करके आ रहे हैं और जिम के दौरान मांसपेशियों और जोड़ों की अकड़न को दूर करना चाहते हैं, तो स्टीम या सॉना बॉथ आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ये आपकी मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। साथ ही जोड़ों की अकड़न और दर्द में भी राहत प्रदान कर सकता है ।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक करने के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर हैरानी होगी कि स्टीम या सॉना बाथ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने में भी आपकी मदद करता है। स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इससे मोनोसाइट्स (एक प्रकार की सफेद रक्त कोशिका) की गतिविधि बढ़ जाती है। ये कोशिकाएं बैक्टीरिया को खत्म करने और मृत ऊतकों को हटाने में मदद करती हैं। इसके अलावा, ये कोशिकाओं के विकास में भी भूमिका अदा करती हैं। मोनोसाइट्स और न्यूट्रोफिल (सफेद रक्त कोशिका के प्रकार) हानिकारक सूक्ष्म जीवों से शरीर की रक्षा करने में मदद करने के साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करते हैं।

तनाव को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप किसी काम को लेकर तनाव ग्रस्त हैं, तो कुछ देर के लिए स्टीम बाथ या सॉना बाथ ले सकते हैं। ये खास स्नान आपके तनाव को दूर करने में आपकी मदद करेंगे। ये दोनों बाथ आपकी बॉडी को रिलैक्स करने के साथ ही शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही इस स्नान से चिंता और अवसाद में कमी आती है, जिससे अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है।

रक्तचाप को कम करने में मदद करता है

रक्तचाप की समस्या को दूर करने के लिए स्टीम बाथ बेहतर विकल्प हो सकता है। जब आप स्टीम बाथ लेते हैं, तो शरीर का तापमान बढ़ने लगता है। इससे सभी रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं और रक्त वाहिकाओं के फैलने से रक्तचाप कम हो जाता है ।

त्वचा के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि स्टीम बाथ आपकी त्वचा के लिए कितना फायदेमंद हो सकता है। स्टीम बाथ लेने से त्वचा के पोर्स खुल जाते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। पसीने के साथ ही त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक बैक्टीरिया भी बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, ये विषाक्त पदार्थ को भी त्वचा से अलग करने में आपकी मदद करते हैं।

स्टीम/सॉना बाथ के नुकसान

सावधानीपूर्वक लिया जाने वाला स्टीम या सॉना बॉथ फायदेमंद होता है, लेकिन लापरवाही बरतने पर नुकसानदायक भी साबित हो सकता है।

- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले एक बात जरूर ध्यान रखें कि ज्यादा देर तक बाथ लेने से गर्म तापमान के कारण आपकी त्वचा जल सकती है और फफोले पड़ सकते हैं।
- अल्कोहल का सेवन करने के बाद आपको स्टीम या सॉना बाथ नहीं लेना चाहिए, इससे आपका रक्तचाप बढ़ सकता है, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।
- हृदय और उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी ये बाथ नुकसानदायक हो सकते हैं। इससे हृदय गति बढ़ सकती है, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।
- अगर आप गर्भवती हैं, तो ध्यान रहे कि अधिक समय तक लिया हुआ स्टीम या सॉना बाथ आपके और आपके गर्भस्थ शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले आप अपने नाजुक अंगों को तौलिए से ढक कर रखें, नहीं तो वहां की त्वचा पर फफोले होने की समस्या हो सकती है।
- बाथ के दौरान अन्य लोगों के तौलिए और साबुन का उपयोग करने से संक्रमण का खतरा हो सकता है।
- स्टीम बाथ में ज्यादा देर तक बैठने या फिर दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर त्वचा संक्रमण की समस्या हो सकती है। कुछ गंभीर मामलों में तो मृत्यु तक हो सकती है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरेंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरेंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताईं। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'

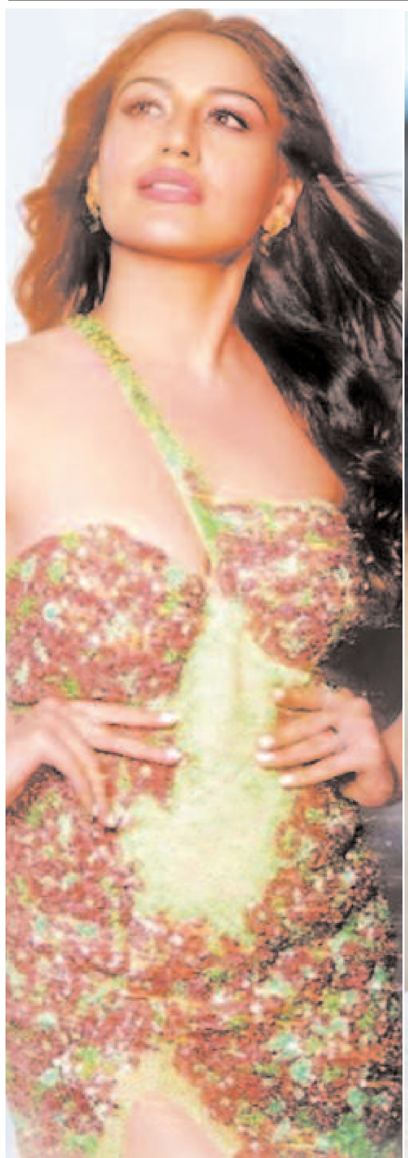

सुरभि चंदना ने तेजस्वी प्रकाश के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अल्का आहूजा के व्यक्तित्व ने मुझे काफी प्रभावित किया

अभिनेत्री अमृता बागची ने हालिया रिलीज सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा की पत्नी अलका आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अलका आहूजा के किरदार ने उन्हें काफी प्रभावित किया था, जिस वजह से वह सीरीज का हिस्सा बनीं। अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि अलका आहूजा के व्यक्तित्व ने उन्हें काफी प्रभावित किया, जिसे वह अपने जीवन में लाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'अलका आहूजा में एक बहादुर महिला के गुण तो हैं ही लेकिन जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी सकारात्मकता और सहजता। इतनी मुश्किल घड़ियों से गुजरने के बाद भी उनके मन में न तो कड़वाहट है और न ही कभी उनका भरोसा टूटा। उन्होंने बहुत सहजता से अपनी जिंदगी जी है।' सीरीज में दिखाया गया है कि अलका आहूजा अपने पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा का रिश्ता दोस्ती और बराबरी का था। अपने किरदार की तैयारी और पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के साथ तालमेल बनाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'अलका आहूजा और स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को दो तरह के होते हैं। एक तो इस तरह से कि अलका जी और अजय जी के बीच कैसा तालमेल था और वे रोज़मर्रा की ज़िंदगी में एक-दूसरे के साथ कैसे काम करते थे। दूसरी बात, मैंने डायरेक्टर ओनी सेन, क्रिएटर अभिजीत परमार और कुशल श्रीवास्तव से बात की। कुशल कारगिल के समय इंडियन एयरफोर्स में थे। जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि कैसे ओनी, एक डायरेक्टर के तौर पर, परफॉर्मेंस के वॉल्यूम और टोनैलिटी को बहुत अच्छे से गाइड करते हैं।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अलका आहूजा के साथ भी मुलाकात की थी, जिसमें उन्हें किरदार के बुनियाद के बारे में समझने को मिला। उन्होंने कहा, 'अलका जी से मिलने के बाद, मुझे बुनियादी समझ मिली कि दोनों किरदारों के बीच एक बराबरी का मजबूत आधार होना चाहिए। उसके बाद सिद्धार्थ के साथ टेबल रीडिंग और सीन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।' अभिनेत्री अलका आहूजा ने अभिनेता सिद्धार्थ के स्वभाव की जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ स्वभाव से ही बराबरी में विश्वास रखने वाले इंसान हैं। साथ ही, बहुत ही मिलनसार और उदार को-एक्टर हैं। उन्होंने कहा, ' जब हमने एक-दूसरे से बात की, तो हमें एहसास हुआ कि हमारी सोच मिलती है। साथ मिलकर काम करने का तरीका बहुत अच्छा रहा और इसीलिए यह कैमरे पर इतनी सहजता से दिखाई दिया।

अंधेरी से कोलाबा का सफर नहीं करना चाहतीं अपूर्वा

हमेशा अपने बयानों और सोशल मीडिया एक्टिविटी से सुर्खियों में रहने वाली मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा (रेबिल किड) ने पुष्टि कि है की वे न्यूयॉर्क शिफ्ट हो गई हैं। अपूर्वा का मानना है कि न्यूयॉर्क में जाने के बाद उन्हें अलग एहसास हुआ और फिर उन्होंने इसी शहर में बसने का फैसला लिया। अपूर्वा ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। दरअसल, अपूर्वा हाल ही में एक पॉडकास्ट में गई थीं, जिसका लिंक उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, 'अब मैं इंडिया में नहीं रहती।' पॉडकास्ट में अपूर्वा ने बताया कि वे भारत में रहकर अपनी जिंदगी बनाने के बारे में नहीं सोच रही हैं। अपूर्वा ने ये भी कहा कि वे पूरी जिंदगी कंटेंट क्रिएटर नहीं बनना चाहतीं। उन्हें लगता है कि ये काम हमेशा नहीं किया जा सकता और वे अब बिजनेस में जाना चाहती हैं। अपूर्वा ने अपनी कॉलेज लाइफ के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका कॉलेज वाला समय सही से नहीं बीता। पहले 2 साल लॉकडाउन में निकल गए और बाकी के 2 साल वे रिलेशनशिप में थीं। अपूर्वा ने कहा कि कॉलेज में वे बस अपने तब के बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर घूमती थीं। भारत में रहने को लेकर अपूर्वा का कहना है कि वे अभी तक इस देश के सबसे अच्छे शहर में रह रही थीं, लेकिन वे आगे कि जिंदगी अंधेरी से कोलाबा आना-जाना करते हुए नहीं बिताना चाहतीं। पॉडकास्ट में उन्होंने न्यूयॉर्क शिफ्ट होने का फैसला भी बताया। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने बहुत जगह घूमी है, लेकिन न्यूयॉर्क में आकर उन्हें वहां रहने का मन हुआ।
अपूर्वा ने कहा, 'मैंने काफी ट्रैवल किया है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा, 'मैं सच में यहां रहना चाहती हूं, इस शहर में कुछ अलग बात है। यहां सब बहुत तेज है, लोग बहुत अच्छे कपड़े पहनते हैं और खाना भी बढ़िया है। मुझे यहां की बिल्डिंग्स बहुत पसंद हैं और मैंने न्यूयॉर्क को अपनी पसंदीदा वेब सीरीज में लगभग हर जगह देखा है।' अपूर्वा ने ये भी बताया कि वो न्यूयॉर्क में पढ़ाई करने को लेकर इतनी पक्की थीं कि उन्होंने शहर में सिर्फ एक ही कॉलेज में अप्लाई किया। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था 'अगर एडमिशन मिल गया तो मिल गया और मैं चली जाऊंगी।'' हालांकि अपूर्वा ने पहले भी कई पॉडकास्ट में न्यूयॉर्क शहर में जाने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ज्यादा समय तक न टिकने की बात की है। अपूर्वा का कहना है कि वे आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाएंगी और अभी वे फैशन या मैनेजमेंट में मास्टर्स की तैयारी कर रही हैं।

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं कियारा और सैफ अली खान

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं।
खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

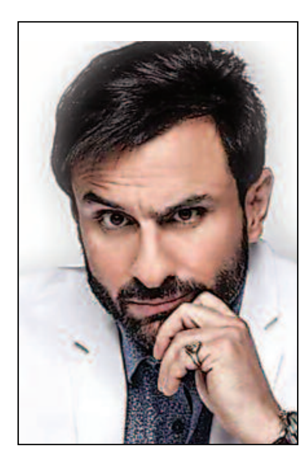

स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।
कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है। वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में बड़ा हादसा- इस्लामाबाद के शीर्ष अस्पताल पीआईएमएस में लगी आग, 15 नवजातों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बुधवार को एक सरकारी अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में आग लगी। इसके कारण 15 नवजात शिशुओं की मौत हो गई। यह जानकारी डॉनकी रिपोर्ट के अनुसार है। यह घटना राजधानी के सबसे बड़े और अच्छी सुविधाओं वाले सरकारी अस्पताल, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। जियो न्यूज ने बताया कि आग लगने की घटना में 15 बच्चों की मौत हो गई। हालांकि, हताहतों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पीआईएमएस की प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने डॉनअखबार को बताया कि जिस वार्ड में आग लगी, वहां 15 बच्चे थे। उन्होंने कहा, हो सकता है कि रात में कुछ बच्चों को छुट्टी दे दी गई हो, इसलिए अभी हताहतों की सही संख्या नहीं बताई जा सकती। घटना के कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी मालूम होती है। उन्होंने बताया कि आग सुबह करीब 7 बजे लगी थी। उन्होंने कहा कि आग बुझा दी गई है, लेकिन कूलिंग प्रोसेस में कुछ समय लगेगा। वहीं, रेस्क्यू अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल की नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर का कंप्रेसर फटने के बाद की वजह से आग लगी। इसके बाद आग तेजी से फैल गई और वार्ड में धुआं भर गया। घटना की वजह और जांच के लिए जिला प्रशासन ने अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित की है। प्रशासन के अनुसार, समिति आग लगने के असली कारण का पता लगाएगी और यह भी जांच करेगी कि घटना किन परिस्थितियों में हुई। इसके साथ ही कई अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति ने दी बधाई- जेलेंस्की हुए खुश, भारत का आभार जताते हुए क्या बोले

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के 35वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूक्रेन लोगों को बधाई संदेश भेजा। इस संदेश के जवाब में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति मुर्मू और भारत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'भारत की राष्ट्रपति से यूक्रेन के लोगों के लिए बधाई संदेश मिला। मुझे बहुत खुशी हुई। शांति की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। रूस के युद्ध का सम्मानजनक अंत लाखों यूक्रेनवासियों का सबसे प्रिय सपना है, क्योंकि हम अपनी स्वतंत्रता की बहाली की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह अहम है कि पूरा विश्व मिलकर इस दिशा में रास्ता बनाने में मदद करे। मैं भारत के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संवाद को आगे बढ़ाने के लिए यूक्रेन की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता हूं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में शनिवार को फिर बड़े हमले हुए। यूक्रेन में रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हुई, जबकि रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की जान चली गई। ये हमले एक दिन बाद हुए हैं, जब रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन के एक शॉपिंग सेंटर में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई थी।

होर्मुज पर ईरान-ओमान की बातचीत: दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात; क्या जहाजों की आवाजाही पर बनी सहमति

दुबई, एजेंसी। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने मंगलवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। यह मुलाकात तेहरान में हुई। दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को संभालने की व्यवस्था पर बात की। इसके लिए एक ढांचा तैयार करने पर चर्चा हुई। ईरान और ओमान इस संकरे जलडमरूमध्य के दो अलग-अलग किनारों पर स्थित हैं। दोनों देशों ने एक साझा बयान जारी किया। बयान में प्रस्तावित व्यवस्था की जानकारी दी गई। इसमें संयुक्त अस्थायी नौवहन गलियाराबनाने की बात है। इसके साथ ही दोनों देश जलमार्ग से बारूदी सुरंगें हटाने के लिए मिलकर काम करेंगे। बयान में कहा गया कि ईरान और ओमान स्थायी जहाज मार्ग बनाने के लिए तकनीकी वार्ता जारी रखेंगे। जलडमरूमध्य का भविष्य में प्रशासन कैसे होगा, इस पर भी दोनों देश एक समझौता करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इससे पहले दुनिया में व्यापार होने वाले कुल तेल का करीब पांचवां हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता था। यह अभी साफ नहीं है कि अमेरिका इस उभरते हुए समझौते को स्वीकार करेगा या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह ओमान को धमकी दी थी।

युद्ध बढ़ेगा तो भूख भी: भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को चेताया- संघर्ष रोकें, वरना बढ़ेगा खाद्य संकट

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से संघर्षों के कारण पैदा होने वाले मानवीय संकट को कम करने को अपनी पहली प्राथमिकता बनाने की अपील की है। भारत ने चेताया कि ऊर्जा, उर्वरक, समुद्री परिवहन और कृषि व्यापार में रुकावटें वैश्विक खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रही हैं, जिसका सबसे ज्यादा असर आयात पर निर्भर विकासशील देशों पर पड़ रहा है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यूक्रेन, होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से जुड़ी परिस्थितियों को खाद्य आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सुरक्षित समुद्री कॉरिडोर और जहाजों के सत्यापन की व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है।

संघर्षों का असर अब युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं : भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार को कहा कि आजकल के संघर्षों का असर केवल लड़ाई वाली जगहों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दूर-दूर तक फैलता है। ऊर्जा बाजार, उर्वरक की आपूर्ति, समुद्री परिवहन, मानवीय सहायता पहुंचाने की व्यवस्था और कृषि व्यापार में रुकावटों ने दिखाया है कि क्षेत्रीय संघर्ष किस तरह दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं।

विकासशील देशों पर सबसे ज्यादा पड़ रहा असर : सुरक्षा परिषद में फूड अंडर फायर- ग्लोबल और लोकल फूड संकट को कम करने में सुरक्षा परिषद की भूमिका विषय पर हुई खुली बहस में पी. हरीश ने कहा कि जो विकासशील देश खाद्य आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं, उन्हें इन रुकावटों का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ता है। परिषद की पहली प्राथमिकता संघर्ष से होने वाले मानवीय संकट को कम करना होना चाहिए। इसके लिए सुरक्षित, तेज और बिना किसी रुकावट के मानवीय सहायता पहुंचाने की सुविधा देनी होगी और संघर्ष-रोधी इंतजामों में मदद करनी होगी।

प्रतिबंधों से मानवीय सहायता बाधित न हो : पी. हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके उठाए गए कदम, जैसे प्रतिबंध, अनजाने में मानवीय सहायता या वैध खाद्य और कृषि व्यापार में रुकावट न डालें। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मजबूत और खाद्य-सुरक्षित समाज का निर्माण मुख्य रूप से राष्ट्रीय सरकारों की जिम्मेदारी है। इसमें संयुक्त राष्ट्र का विकास तंत्र और रोम स्थित एजेंसियां सहायता करती हैं, न कि सुरक्षा परिषद।

भारत ने अपनी खाद्य सुरक्षा योजनाओं का किया जिक्र : हरीश ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की ओर से किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों के जरिए भारत न केवल अपनी खाद्य सुरक्षा मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी योगदान देने वाला देश बन रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून सब्सिडी वाले अनाज का कानूनी अधिकार देता है। वहीं, कार्यक्रम के तहत 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को सीधे लाभ पहुंचाने से छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक मजबूती बढ़ी है।

मिलेट्स से लेकर जलवायु-अनुकूल खेती तक भारत का जोर : हरीश ने कहा कि 2023 में भारत की ओर से 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' यानी 'अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' को बढ़ावा दिए जाने से जलवायु-अनुकूल और पोषक तत्वों से भरपूर फसलों की ओर दुनिया का ध्यान गया। उन्होंने इसे विविध और टिकाऊ खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और जलवायु-अनुकूल खेती के तरीकों से भारत न केवल खाद्य-सुरक्षित बना हुआ है, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्ति में भी अहम योगदान दे रहा है।

होर्मुज, काला सागर और लाल सागर का हरीश ने नहीं लिया नाम : हरीश ने वाणिज्यिक जहाजरानी और समुद्री व्यापार मार्गों में रुकावटों से खाद्य सुरक्षा पर मंडरा रहे खतरों का व्यापक रूप से जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य, काला सागर और लाल सागर में जारी तीन संघर्षों का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले इन तीनों संघर्षों का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध का असर काला सागर के जरिए होने वाले अनाज और ऊर्जा के निर्यात पर पड़ रहा है, जो यूक्रेन और रूस दोनों से होता है।

होर्मुज में उर्वरक और तेल आपूर्ति पर संकट : गुटेरेस ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की तेल आपूर्ति के करीब पांचवें हिस्से और उर्वरक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से को संभालता है। वहां लगे प्रतिबंधों और मार्गों के बंद होने से कीमतें बढ़ गई हैं और उपलब्धता बहुत कम हो गई है। लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों से भोजन और अन्य सामानों की आपूर्ति श्रृंखला के लिए और खतरा पैदा हो रहा है। गुटेरेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने एक सुरक्षित कॉरिडोर के जरिए होर्मुज से उर्वरक और अनाज की आवाजाही सुनिश्चित करने के व्यावहारिक तरीके सुझाए हैं।

मंजूरी में मिलेगी छूट-सेमीकंडक्टर फैक्टरी लगाना होगा आसान, जापान दौरे पर पीयूष गोयल की बड़ी घोषणाएं क्या

टोक्यों, एजेंसी। जापानी कंपनियों के लिए भारत में सेमीकंडक्टर जैसे हाईटेक कारखाने लगाना अब पहले से आसान होने जा रहा है। विदेश से मंगाई जाने वाली खास मशीनों और उपकरणों के लिए जहां बीआईएस मानक लागू हैं, वहां प्रमाणन में लगने वाला समय घटाने के लिए सरकार नया ढांचा तैयार कर रही है। इसके तहत उद्योग, कंपनी, उत्पाद या किसी खास परियोजना के स्तर पर छूट देने का विकल्प रखा जाएगा। यह एलान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने टोक्यो में जापानी उद्योगपतियों के सामने किया। उन्होंने बताया कि बीआईएस और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को इस पर काम शुरू करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं। वक्त बचा तो पैसा बचा असल फायदा वक्त का है और वक्त का सीधा मतलब पैसा है। सेमीकंडक्टर का एक कारखाना अरबों डॉलर का होता है और उसमें लगने वाली मशीनें एक तय क्रम में आती हैं। एक जरूरी मशीन की मंजूरी या आपूर्ति अटकती है तो पूरी श्रृंखला प्रभावित हो सकती है और कारखाना शुरू होने की तारीख आगे खिसक सकती है। कारखाना समय पर चालू हुआ तो निर्माण के दौर की नौकरियों से लेकर संयंत्र चलाने वाले इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों तक रोजगार के अवसर भी जल्दी बनेंगे। सबसे अहम, भारत में चिप का घरेलू उत्पादन बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करने में मदद मिलेगी। 150 अरब डॉलर की मांग इसलिए जापान अहम भारत में सेमीकंडक्टर की मांग 2032 तक बढ़कर करीब 150 अरब डॉलर होने का अनुमान है। यानी आने वाले वर्षों में दुनिया के बड़े सेमीकंडक्टर बाजारों में भी शामिल होने जा रहा है। यही वजह है कि सरकार जापान को सिर्फ निवेशक ही नहीं, बल्कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला के साझेदार के तौर पर देख रही है। इससे भारत की कारोबारी साख बनेगी।साथ ही सबसे बड़ा फायदा यह है कि प्रस्तावित छूट केवल तैयार उत्पादों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि भारत में सेमीकंडक्टर मशीनरी, उपकरण, सामग्री और दूसरे जरूरी कलपुर्जों को विकसित करने की संभावना बढ़ेगी। सरकार सेमीकंडक्टर विनिर्माण में बड़े निवेश के लिए सेमीकॉन 1.0 और सेमीकॉन 2.0 के जरिए प्रोत्साहन दे रही है। सेमीकॉन 1.0 के तहत अब तक 12 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी मिली है और इनमें कुल 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है।

भारत-कनाडा संबंध, सीतारमण टोरंटो पहुंचीं, पहले आर्थिक-वित्तीय संवाद में किन मुद्दों पर होगी चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को टोरंटो पहुंचीं। वह चार दिन के दौरे पर हैं। इस दौरान वह पहली भारत-कनाडा आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी। इसके बाद वह अमेरिका जाएंगी। वहां जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगी। टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी ने उनका स्वागत किया। सीतारमण कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैंपेन के साथ पहली आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी।

किन मुद्दों पर होगी बात : एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संवाद में दोनों देश कई अहम मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे। इनमें बड़ी आर्थिक स्थिति से जुड़े बदलाव शामिल हैं। वित्तीय क्षेत्र में सहयोग भी इसमें शामिल है। दोनों देशों के बीच निवेश के अवसरों पर भी चर्चा में होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा प्राथमिकताओं पर भी बात होगी।

इस संवाद का एक और मकसद भारत और कनाडा के बीच नए सिरे से मजबूत हो रही आर्थिक और वित्तीय साझेदारी को और मजबूत करना है। सीतारमण बड़े कारोबारों के प्रमुखों के साथ निवेश को लेकर एक बैठक में भी हिस्सा लेंगी। इसमें ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों के प्रमुख लोग शामिल होंगे। बैठक में कारोबार से कारोबार के बीच संबंध बढ़ाने की कोशिश होगी। निवेश के नए मौके तलाशे जाएंगे। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय की कारोबारी साझेदारी को बढ़ावा देने पर भी बात होगी। इसमें गिफ्ट सिटी-आईएफएससी में निवेश के मौके भी शामिल हैं। एक दूसरी व्यापारिक बैठक में सीतारमण कनाडा के बड़े कारोबारियों से बात करेंगी। इसमें भारत और कनाडा के बीच सहयोग के मौकों पर चर्चा होगी। लंबे समय के निवेश पर भी बात होगी। वित्तीय क्षेत्र की बढ़त पर भी चर्चा होगी। भारतीय सरकारी क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी इन चर्चाओं में हिस्सा लेंगे। इससे वित्तीय क्षेत्र में दोनों देशों के बीच ज्यादा सहयोग के रास्ते तलाशने का मौका मिलेगा।

कैरिबियाई सागर में अमेरिका ने एक और नाव को बनाया निशाना, चार की मौत, ट्रंप के ड्रग्स अभियान पर क्यों उठे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कैरिबियाई सागर में ड्रग्स की तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही एक संदिग्ध नाव हमला किया, जिसमें चार लोग मारे गए। यह घटना लैटिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ ट्रंप प्रशासन के महीनों से चल रहे अभियान के दौरान हुई है। इस ताजा हमले के साथ ही अमेरिकी सेना के नावों पर किए गए हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 227 हो गई है। ये हमले 68 बार किए गए हैं और इनकी शुरुआत तब हुई थी जब ट्रंप प्रशासन ने लगभग एक साल पहले उन लोगों को निशाना बनाना शुरू किया, जिन्हें वे %नार्को-टेररिस्ट(नशीले पदार्थों के तस्कर और आतंकवादी) कहते हैं।

सेना ने क्या कहा : पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरिबियाई सागर में हमलों के बारे में सेना के ज्यादातर बयानों की तरह ही,अमेरिकी सदर्न कमांड ने कहा कि उसने तस्करी के जाने-पहचाने रास्तों पर कथित ड्रग तस्करों को निशाना बनाया। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया कि नाव से ड्रग्स की तस्करी हो रही थी। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में एक चलती हुई नाव जैसी चीज की तस्वीर दिखी, जिसके बाद एक चमक (फ्लैश) दिखाई दी।

इससे पहले कब हुआ था हमला : मंगलवार को हुआ यह हमला, पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सेना की ओर से एक नाव पर किए गए हमले के ठीक दो दिन बाद हुआ, जिसमें ड्रग्स की तस्करी के आरोपी दो लोग मारे गए थे। यह कार्रवाई कथित तस्करों के खिलाफ अमेरिकी अभियान में दो महीने से के ज्यादा अंतराल के बाद की गई थी। ट्रंप प्रशासन कई लैटिन अमेरिकी देशों में जमीन पर भी अपना हमलावर अभियान चलाने के लिए सहयोगी देशों के साथ समझौते करने की कोशिश कर रहा है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस महीने पनामा की यात्रा की। इस दौरान कहा कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास इस बात पर सहमत हो गए हैं कि अमेरिका उनकी जमीन पर आपराधिक समूहों के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान चला सके। ग्वाटेमाला ने ऐसे किसी समझौते पर पहुंचने से इनकार किया। इक्वाडोर ने मार्च में अमेरिका के साथ इसी तरह के मिशन शुरू किए थे। आलोचकों ने नावों पर किए गए हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर सवाल उठाए हैं, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि कई जानलेवा ओवरडोज के लिए जिम्मेदार फेंटानिल की तस्करी आमतौर पर मेक्सिको से जमीन के रास्ते अमेरिका में की जाती है।

न्यूयार्क में तिलक से स्वागत-मैडिसन स्क्वायर गार्डन में संबोधन; मोहन भागवत के तीन देशों के दौरे पर टिकी नजरें

अल्बानी, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके तीन देशों अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के ग्लोबल आउटरीच दौरे का पहला चरण है। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर हो रहे इस दौरे के दौरान भागवत भारतीय समुदाय के लोगों के साथ-साथ स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। न्यूयॉर्क पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होगा बड़ा आयोजन : मोहन भागवत शनिवार को न्यूयॉर्क शहर के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन्स' यानी 'सार्वभौमिक एकता समारोह' को संबोधित करेंगे। यह एक बड़े और विविध समुदाय की भागीदारी वाला कार्यक्रम होगा, जिसका आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' फोरम की ओर से किया जा रहा है। भागवत के इस संबोधन को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी देखी जा रही है। यह आयोजन एकता, नागरिक कर्तव्य और वैश्विक सद्भाव जैसे आधुनिक विचारों के साथ हिंदू त्योहार रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को जोड़ते हुए मनाया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि भी होंगे शामिल : आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में दिन की थीम के अनुरूप विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा अलग-अलग धर्मों के प्रमुख वक्ता भी समारोह में शामिल होंगे और एकता तथा वैश्विक सद्भाव का संदेश देंगे।

25 अगस्त से शुरू हुआ तीन देशों का दौरा : इससे पहले के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा इन देशों में सक्रिय स्थानीय संघ इकाइयों और विभिन्न संगठनों के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है।

आतंकी पन्नू को फिर मिली जान से मारने की धमकी, एफबीआई और कनाडाई पुलिस ने किया सतर्क, यात्रा को लेकर कही यह बात

अल्बानी, एजेंसी। एक खालिस्तानी आतंकी ने मंगलवार को कहा कि एफबीआई और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी है कि उनके जान को खतरा है। वहीं,भारत के एक व्यक्ति को 2023 में उनके खिलाफ हत्या की साजिश रचने के लिए इस साल के अंत में सजा सुनाई जाएगी।

एफबीआई एजेंट ने क्या चेतावनी दी है : सिख्स फॉर जस्टिस के जनरल काउंसल गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि पिछले गुरुवार को उनसे मिलने आए एफबीआई एजेंटों ने उन्हें चेतावनी दी थी कि जब तक खतरा टल नहीं जाता, तब तक उन्हें यात्रा नहीं करनी चाहिए। वहीं, अगर वे यात्रा करते हैं, तो उन्हें अपनी योजनाओं के बारे में एजेंसी को पहले से बताना होगा।

उन्होंने बताया कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने मंगलवार को उन्हें फोन पर चेतावनी दी थी, हालांकि किसी भी कानून लागू करने वाली एजेंसी ने उस साजिश के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जिसका पता चला था। दोनों एजेंसियों से टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेशों का तुरंत कोई जवाब नहीं मिला।

क्या है ड्यूटी टू वॉर्न : पन्नू, जो एक अमेरिकी और कैनेडियन नागरिक है। उसने कहा कि उन्हें अमेरिका के 'ड्यूटी टू वॉर्न'(चेतावनी देने का कर्तव्य) कानून के तहत चेतावनी दी गई। यह कानून अमेरिकी खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को निर्देश देता है कि जब उन्हें हत्या, गंभीर शारीरिक नुकसान या अपहरण के विश्वसनीय और ठोस खतरों का पता चले, ते वे संबंधित व्यक्तियों को इसकी सूचना दें। यह नई धमकी ऐसे समय में आई है जब भारत के निखिल गुप्ता, जिन्होंने फरवरी में साजिश के आरोपों में अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उसे 2023 में पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में 20 नवंबर को सजा होनी है।

निखिल गुप्ता को क्या सजा मिल सकती है : एफबीआई ने कहा है कि गुप्ता को हत्या करने का निर्देश भारत सरकार के एक कर्मचारी ने दिया था। जब गुप्ता ने कोशिश की, तो अनजाने में उसने एक अंडरकवर लॉ एनफोर्समेंट ऑफिसर से बात की जो एक हिटमैन(किराये का हत्यारा) बनकर बात कर रहा था। फेडरल सजा के नियमों के अनुसार, गुप्ता को कम से कम 20 साल जेल में बिताने पड़ सकते हैं।

पन्नू, जो एक अलग सिख देश बनाने की वकालत करते हैं। उन्होंने मंगलवार को एक फोन इंटरव्यू में कहा मुझे उनकी जान से मारने की धमकियों से डर नहीं लगता। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का प्रशासन अमेरिका और कनाडा की संप्रभुता के लिए खतरों को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करेगा। पन्नू ने खुद को एक सिख मानवाधिकार वकील बताया है जो पंजाब को ऐसी जगह बनाने के लिए अभियान चला रहे हैं जहां सभी धर्मों को समान अधिकार हों।

स्टार्टअप से यूनिकॉर्न तक- टोक्यो में पीयूष गोयल ने गिनाई भारत की कामयाबी, बोले- युवा अब नौकरी ले नहीं, दे रहे

एदो, एजेंसी। जापान के टोक्यो में स्टार्टअप्स के साथ एक राउंडटेबल बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को शुरू हुए अब 10 साल हो चुके हैं और इस दौरान देश में स्टार्टअप्स की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। दस साल पहले जहां इनकी संख्या महज 400-500 के आसपास थी, वहीं आज यह आंकड़ा करीब 2,50,000 तक पहुंच गया है। भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न हैं और करीब आधे नए स्टार्टअप छोटे शहरों से सामने आ रहे हैं। गोयल ने भारत से जापान पहुंचे 200 से अधिक कारोबारियों के प्रतिनिधिमंडल को भी दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों के लिए अहम बताया।

युवाओं की सोच में आया बड़ा बदलाव : गोयल ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा इसके साथ ही युवाओं की सोच में भी बड़ा बदलाव आया है। आज भारत का युवा सिर्फ नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है। वह इनोवेटर है, विचारक है और नए विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। वह असफलता से घबराने के बजाय उसे सफलता की सीढ़ी बनाने के लिए तैयार है। वह असफल होने के बाद फिर उठकर बेहतर अवसर की तलाश करने का हौसला रखता है और जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हटता। युवा अच्छे करियर और मोटी सैलरी का जोखिम उठाकर अपना उद्यम शुरू करने के लिए तैयार हैं और इनमें से कई कामयाबी की नई मिसाल बनकर उभरे हैं। गोयल ने कहा कि भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न और कई सौ 'सूनिकॉर्न' हैं। ये युवा अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ अलग तरीके से सोचने और नए रास्ते तलाशने की क्षमता से भी देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

छोटे शहरों से निकल रहे हैं नए स्टार्टअप : पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और आज उद्यमिता केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि भारत में शुरू होने वाले नए स्टार्टअप्स में करीब आधे छोटे शहरों से आ रहे हैं। यह बदलाव देश के बदलते कारोबारी माहौल और युवाओं में बढ़ती उद्यमशीलता को दर्शाता है। गोयल ने कहा कि छोटे शहरों से आने वाले इन उद्यमियों पर भारत को गर्व है।

'शार्क टैंक' की तर्ज पर होगी स्टार्टअप प्रस्तुति श्रृंखला : गोयल ने भारत और जापान के बीच स्टार्टअप्स के लिए लोकप्रिय कार्यक्रम 'शार्क टैंक' की तर्ज पर एक विशेष प्रस्तुति श्रृंखला शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य दोनों देशों के युवा स्टार्टअप्स को निवेशकों और संभावित कारोबारी साझेदारों से जोड़ना है। टोक्यो में स्टार्टअप्स को लेकर आयोजित एक गोलमेज बैठक में गोयल ने कहा कि डिजिटल संपर्क का लाभ उठाते हुए इन प्रस्तुतियों का आयोजन ऑनलाइन भी किया जा सकता है, जिससे भारतीय और जापानी स्टार्टअप्स के बीच बातचीत और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। पीयूष गोयल ने कहा, भारत और जापान मिलकर 'शार्क टैंक' जैसी एक प्रस्तुति श्रृंखला विकसित कर सकते हैं, जिससे युवा स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मौका मिलेगा।भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेशकों के सामने अपने विचार और कारोबारी योजनाएं रख सकते हैं, जबकि जापानी स्टार्टअप्स भारत में अपने लिए साझेदार और कारोबारी अवसर तलाश सकते हैं।

ऑनलाइन बैठकों से बढ़ेगा दोनों देशों के स्टार्टअप्स का संपर्क : गोयल ने कहा कि आज इंटरनेट और वीडियो बैठक जैसे माध्यमों के जरिए दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है। ऐसे में भारत और जापान के स्टार्टअप्स के बीच लगातार प्रस्तुति सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। इंटरनेट और वीडियो बैठकों के जरिए दुनिया के इस वैश्विक जुड़ाव के दौर में हम अधिक से अधिक प्रस्तुति सत्र आयोजित कर सकते हैं, जहां भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेश के लिए अपने विचार पेश करें और जापानी स्टार्टअप्स भारत में साझेदार तलाशें। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि इस पहल का मकसद केवल स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मंच देना नहीं, बल्कि शुरुआती प्रस्तुतियों को वास्तविक कारोबारी सहयोग में बदलना है। उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर अधिक कारोबारी संपर्क विकसित करें और प्रस्तुतियों से आगे बढ़कर प्रायोगिक परियोजनाओं, निवेश और बड़े स्तर पर विस्तार की दिशा में आगे बढ़ें। पीयूष गोयल ने जापान की कंपनियों और स्टार्टअप्स को भारत के साथ मिलकर काम करने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग से व्यापक स्तर पर समृद्धि और नए अवसर पैदा होंगे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)